राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 29 मार्च 2024 वर्ष–7,अंक–64 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वरुण गांधी का पीलीभीत से प्रणाम, कहा-

## मां की उंगली पकड़कर आया था, आपकी आवाज उठाता रहूंगा, भले ही कीमत चुकानी पड़े

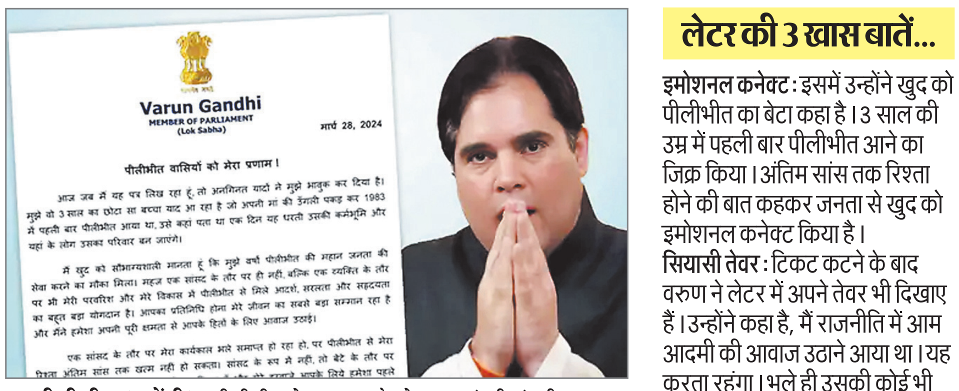
Varun Gandhi
MEMBER OF PARLIAMENT
(Lok Sabha)

मार्च 28, 2024

पीलीभीत वासियों को मेरा प्रणाम।

आज जब मैं यह पत्र लिख रहा हूं, तो अनगिनत यादों ने मुझे भावुक कर दिया है। मुझे वो 3 साल का छोटा सा बच्चा याद आ रहा है जो अपनी मां की उँगली पकड़ कर 1983 में पहली बार पीलीभीत आया था, उसे कहां पता था एक दिन यह धरती उसकी कर्मभूमि और यहां के लोग उसका परिवार बन जाएंगे।

मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे वर्षों पीलीभीत की महान जनता की सेवा करने का मौका मिला। महज एक सांसद के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के तौर पर भी मेरी परवरिश और मेरे विकास में पीलीभीत से मिले आदर्श, सरलता और सहृदयता का बहुत बड़ा योगदान है। आपका प्रतिनिधि होना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और मैंने हमेशा अपनी पूरी क्षमता से आपके हितों के लिए आवाज उठाई।

एक सांसद के तौर पर मेरा कार्यकाल भले समाप्त हो रहा हो, पर पीलीभीत से मेरा रिश्ता अंतिम सांस तक खत्म नहीं हो सकता। सांसद के रूप में नहीं, तो बेटे के तौर पर

**पीलीभीत (एजेंसी)।** पीलीभीत से वरुण गांधी का टिकट कटने के बाद उन्होंने पहली बार जनता के लिए खुला पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने पीलीभीत से अपने इमोशनल रिश्ते का जिक्र किया है। वरुण ने कहा कि 1983 में जब वह 3 साल के थे, तब मां की उंगली पकड़कर पहली बार पीलीभीत आए थे। वरुण ने यह भी लिखा, एक सांसद के तौर पर भले ही उनका रिश्ता खत्म हो रहा हो, लेकिन पीलीभीत से रिश्ता आखिरी सांस तक खत्म नहीं होगा।

### लेटर की 3 खास बातें...

**इमोशनल कनेक्ट :** इसमें उन्होंने खुद को पीलीभीत का बेटा कहा है। 3 साल की उम्र में पहली बार पीलीभीत आने का जिक्र किया। अंतिम सांस तक रिश्ता होने की बात कहकर जनता से खुद को इमोशनल कनेक्ट किया है।

**सियासी तेवर :** टिकट कटने के बाद वरुण ने लेटर में अपने तेवर भी दिखाए हैं। उन्होंने कहा है, मैं राजनीति में आम आदमी की आवाज उठाने आया था। यह करता रहूंगा। भले ही उसकी कोई भी कीमत चुकानी पड़े।

**सियासत से ऊपर :** वरुण ने इसमें सियासत से ऊपर उठकर पीलीभीत से रिश्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि यहां से प्रेम और विश्वास का रिश्ता है।

## महाराष्ट्र में एनडीए के बीच सीट शेयरिंग फॉर्मूला लगभग तय

- भाजपा 27, शिवसेना 14 और एनसीपी 5 सीटों पर लड़ सकती है चुनाव

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के गठबंधन के बीच लोकसभा चुनाव के लिए सीट शेयरिंग फॉर्मूला लगभग तय हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से भाजपा 27 पर, शिवसेना 14 पर और एनसीपी 5 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसकी आधिकारिक घोषणा जल्द होने की संभावना है। इससे पहले तक कयास लगाए जा रहे थे कि राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से बीजेपी 30 से 32 सीटों पर, शिवसेना 10 से 12 और एनसीपी 6 से 8 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार सकती है। 6 मार्च को अमित शाह की मौजूदगी में मुंबई के सह्याद्रि गेस्ट हाउस में हुई बैठक में यह सहमति बनने की बात सामने आई थी। बुधवार को शिवसेना उद्धव गुट ने 17 कैंडिडेट्स का ऐलान किया था।

## मुर्मू ने की किफायती ऊर्जा खपत वाले एवं दिव्यांगों के अनुकूल बुनियादी ढांचा विकसित करने की अपील

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को इंजीनियरिंग सेवा अधिकारियों के एक समूह से किफायती ऊर्जा खपत वाला और दिव्यांगों के अनुकूल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा विकसित करने को कहा। मुर्मू ने अभियंताओं से अपने दृष्टिकोण में नवीनता लाने को भी कहा ताकि वे उभरती चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपट सकें। राष्ट्रपति केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (2022 और 2023 बैच) के सहायक कार्यकारी अभियंताओं (सिविल, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल) के एक समूह को संबोधित कर रही थीं। इन अभियंताओं ने यहां राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की थी। उन्होंने युवा अधिकारियों से सामाजिक विवेक के साथ अभियंत्रण का अभ्यास करने को कहा। मुर्मू ने कहा, 'यह सुनिश्चित करना आपका कर्तव्य है कि आपके द्वारा डिजाइन किये गये सार्वजनिक बुनियादी ढांचे दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के इस्तेमाल के लिए सुगम होना चाहिए, चाहे वह कार्यालय हो, आवास या सड़क हो। यह पहलू परियोजनाओं की योजना और कार्यान्वयन का अभिन्न अंग बनना चाहिए।' राष्ट्रपति ने कहा, 'आपके द्वारा बनाई जाने वाली इमारतें, सड़कें और अन्य बुनियादी ढांचे टिकाऊ, किफायती ऊर्जा खपत वाले और पर्यावरण के अनुकूल होने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया, 'आपको अपने दृष्टिकोण में नवोन्वेषी होना चाहिए ताकि आप उभरती चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपट सकें।' मुर्मू ने कहा कि थ्री–डी प्रिंटिंग के युग में भवन निर्माण तकनीक में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने कहा, 'बुनियादी ढांचे और निर्माण परियोजनाओं को अब जलवायु–अनुकूल और ऊर्जा खपत की दृष्टि से किफायती बनाया जा सकता है।' मुर्मू ने कहा कि 'हरित निर्माण' समय की मांग है। राष्ट्रपति ने कहा, 'निर्माण के नवीन तरीकों में इस क्षेत्र में बदलाव की क्षमता है।' मुर्मू ने इंजीनियरिंग सेवा में बहुत कम महिलाओं के शामिल होने के 'कारणों की जांच' का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा, 'मैं निर्णयकर्ताओं के विचारार्थ एक बिंदु छोड़ना चाहूंगी। मुझे बताया गया है कि इस सेवा में बहुत कम महिलाएं आती हैं। इस साल (महिलाओं का) कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।'

## देश की सबसे अमीर महिला भाजपा में शामिल

चंडीगढ़ । हरियाणा की रहने वाली देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल ने गुरुवार को भाजपा जॉइन कर ली। उन्हें सीएम नायब सैनी ने पार्टी का पटका पहनाया। सावित्री के साथ पूर्व मेयर शकुंतला राजलीवाला, सीमा जिंदल, जगदीश जिंदल, पूर्व जिला अध्यक्ष वेद रावल समेत कई कांग्रेसी भाजपा में शामिल हुए। सावित्री जिंदल ने कहा कि मनोहर लाल और नायब सिंह सैनी के अंदर राम और भरत का रूप दिखता है। मनोहर लाल ने खुद की कुर्सी छोड़कर नायब सिंह सैनी को दे दी। इससे बड़ी मिसाल और क्या हो सकती है। ओमप्रकाश जिंदल 1991 में राजनीति में आए थे। उनकी मृत्यु के बाद 2005 में वह खुद हिसार की सेवा के लिए राजनीति में आईं। हिसार को सदैव परिवार का सदस्य माना है। वह सभी के साथ मिलकर भाजपा की नीतियों के प्रचार करेंगे। एक बार फिर से हरियाणा में भाजपा सरकार लाने का प्रयास करेंगे।

## ईडी के सामने पेश नहीं हई महुआ

नई दिल्ली । कैश फॉर क्वेरी केस में प्रवर्तन निदेशालय ने टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा को गुरूवार को पूछताछ के लिए बुलाया था; लेकिन उन्होंने जांच एजेंसी से कहा है कि वे आज अपने लोकसभा क्षेत्र कृष्णानगर में चुनाव प्रचार में शामिल हो रही हैं, जिसके कारण वे ईडी के सामने पेश नहीं होंगी। जांच एजेंसी इससे पहले भी मोइत्रा को दो बार समन भेज चुकी है, लेकिन वे पहले भी अपने आधिकारिक काम का हवाला देकर पेश नहीं हुईं। ईडी उनसे विदेशी मुद्रा उल्लंघन मामले में पूछताछ करना चाहती है। उनके बयान के बाद कुछ फॉरेन ट्रांजैक्शन और एक एनआरआई खाते से जुड़े लेनदेन भी एजेंसी की जांच के दायरे में हैं।

## गलत काम करने वालों को कीमत चुकानी होगी : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को इस आरोप को खारिज कर दिया कि सरकार विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है। इसके साथ ही उन्होंने जोर दिया कि जिन लोगों ने गलत काम किया है उन्हें अपनी करनी की कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी – केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) – अपना काम करेंगे और उन लोगों को माफ करने का कोई सवाल ही नहीं है, जिन्होंने गलत काम किया है। गोयल सरकार द्वारा विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का उपयोग करने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने वालों को छूट देने से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने यहां 'टाइम्स नाउ समिट 2024' में कहा, 'हमें भारत को भ्रष्टाचार–मुक्त बनाना है। वे (विपक्ष) अपने भ्रष्टाचार को बचाना चाहते हैं और हमें उसे जड़ से मिटाना हैज उन्होंने जो भी गलतियां की हैं, उन्हें उनकी सजा भुगतनी होगी और कानून आपको पकड़ेगा, कानून उन लोगों को पकड़ रहा है जिन्होंने गड़बड़ियां की हैं।' विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में निर्वाचन आयोग से संपर्क कर आरोप लगाया कि विपक्षी दलों को दबाने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा केंद्रीय एजेंसी का उपयोग किया जा रहा है।

वकीलों के पत्र पर पीएम मोदी ने दी प्रतिक्रिया

## 'दूसरों को डराना-धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति'

देश के 600 से अधिक वकीलों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को लिखी चिट्ठी

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** देश के 600 से अधिक वकीलों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखकर आरोप लगाया है कि एक निहित स्वार्थ वाला समूह 'बेकार के तर्कों और घिसे-पिटे राजनीतिक एजेंडा' के आधार पर न्यायपालिका पर दबाव डालने और अदालतों को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। अब इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, दूसरों को डराना-धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। 5 दशक पहले उन्होंने स्वयं 'प्रतिबद्ध न्यायपालिका' का आह्वान किया था - वे बेशर्मी से अपने स्वार्थों के लिए दूसरों से प्रतिबद्धता चाहते हैं लेकिन राष्ट्र के प्रति किसी भी प्रतिबद्धता से बचते हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि 140 करोड़ भारतीय उन्हें अस्वीकार कर रहे हैं।

इससे पहले सीनियर एडवोकेट हरीश साल्वे और 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा समेत अनेक वकीलों ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि एक निहित स्वार्थ वाला समूह 'बेकार के तर्कों और घिसे-पिटे राजनीतिक एजेंडा' के आधार पर न्यायपालिका पर दबाव डालने और अदालतों को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को 26 मार्च को लिखे गए पत्र में कहा गया है, ''उनकी दबाव की रणनीति राजनीतिक मामलों में, विशेषकर उन मामलों में सबसे ज्यादा स्पष्ट होती है जिनमें भ्रष्टाचार की आरोपी राजनीतिक हस्तियां होती हैं।

ये रणनीतियां हमारी अदालतों के लिए हानिकारक हैं और हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को खतरे में डालती हैं।

## अरविंद केजरीवाल को कोर्ट से लगा झटका

### 1 अप्रैल तक ईडी की रिमांड पर रहेंगे दिल्ली के सीएम

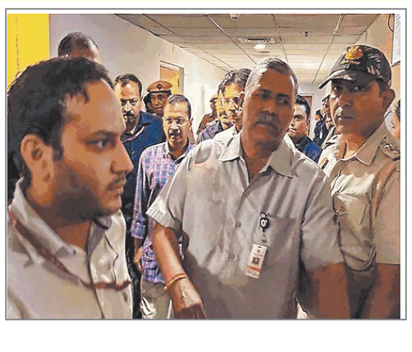

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने आबकारी नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ईडी की हिरासत बृहस्पतिवार को एक अप्रैल तक बढ़ा दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख केजरीवाल की सात दिन की हिरासत का अनुरोध किया, लेकिन अदालत ने कहा कि उन्हें एक अप्रैल को दिन में 11 बजे अदालत में पेश करना होगा। ईडी ने केजरीवाल को राउज एवेन्यू अदालत की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष पेश किया क्योंकि उनकी वर्तमान हिरासत बृहस्पतिवार को समाप्त हो रही थी।

### जवाब देने में टालमटोल कर रहे

ईडी ने केजरीवाल की और सात दिन की हिरासत का अनुरोध करते हुए कहा कि मामले से जुड़े कुछ लोगों से उनका आमना–सामना कराने की जरूरत है। ईडी ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल जवाब देने में टालमटोल कर रहे हैं और अपने डिजिटल उपकरणों के पासवर्ड का खुलासा नहीं कर रहे हैं।

### भ्रष्ट होने की झूठी तस्वीर पेश की गई

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि शरत चंद्र रेड्डी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 55 करोड़ रुपये का चंदा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मेरे पास इसके सबूत हैं। लेन देन साबित हो चुका है क्योंकि उन्होंने (रेड्डी) गिरफ्तारी के बाद धनराशि दान की थी। रेड्डी अरबिंदो फार्मा लिमिटेड के निदेशक हैं और मामले में सह–आरोपी से सरकारी गवाह बने लोगों में से एक हैं।

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर कटाक्ष

## 'मनरेगा श्रमिकों को बधाई, प्रधानमंत्री ने मजदूरी सात रुपए बढ़ाई'

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत मजदूरी में प्रतिदिन चार से 10 रुपए तक की बढ़ोतरी की है। इस बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मनरेगा श्रमिकों को बधाई हो कि प्रधानमंत्री ने मजदूरी सात रुपए बढ़ा दी है

### चार से 10 प्रतिशत के बीच बढ़ोतरी

मनरेगा के तहत मजदूरी को संशोधित किया गया है। इसके अंतर्गत विभिन्न राज्यों के लिए चार से 10 प्रतिशत के बीच बढ़ोतरी की गई है। एक अधिसूचना के मुताबिक, इस योजना के तहत अकुशल श्रमिकों के लिए हरियाणा में प्रतिदिन 374 रुपए की उच्चतम मजदूरी दर है, जबकि अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड में सबसे कम 234 रुपए है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले-

## सरकार अग्निवीर योजना में बदलाव को तैयार

- सेना को युवाओं की जरूरत, कांग्रेस ने इसे चुनावी मुद्दा बनाया, कहा- ये यूथ से धोखा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार जरूरत पड़ने पर अग्निवीर भर्ती योजना में बदलाव के लिए तैयार है। समिट में बोलते हुए रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि अग्निवीरों का भविष्य सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा- सेना को युवाओं की जरूरत है। मुझे लगता है कि युवा उत्साह से भरा होता है। वे टेक-लवर होते हैं। हमने इस बात का उचित ध्यान रखा है कि उनका भविष्य भी सुरक्षित रहे। जरूरत पड़ी तो हम बदलाव भी करेंगे।

अग्निवीर स्कीम लागू होते ही विवादों में आ गई थी। इस स्कीम में सिर्फ 4 साल की सर्विस को विपक्ष ने युवाओं के साथ धोखा बताया था।

- **2022 को लागू की गई थी अग्निवीर स्कीम**–केंद्र सरकार ने 14 जून 2022 को सेना की तीनों शाखाओं– थलसेना, नौसेना और वायुसेना में युवाओं की बड़ी संख्या में भर्ती के लिए अग्निपथ भर्ती योजना शुरू की थी। इस स्कीम के तहत नौजवानों को सिर्फ 4 साल के लिए डिफेंस फोर्स में सेवा देनी होगी।
- **राहुल गांधी से युवाओं ने कहा था- अग्निवीर सुनकर रिश्ते वाले भी नहीं आ रहे**–मध्य प्रदेश में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में इसी महीने राहुल गांधी ने ग्वालियर में अग्निवीर भर्ती से जुड़े युवाओं, पूर्व सैनिकों से करीब 40 मिनट तक बात की। यहां सेना की तैयारी कर रहे युवाओं ने बताया कि जो सम्मान फौजी बनने पर मिलता था, अब वो अग्निवीर बनने पर नहीं मिलता। न शहीद का दर्जा मिलता है न ही पेंशन और कैंटीन की सुविधा मिलती है। यहां तक कि अब तो अग्निवीर सुनकर हमारे लिए रिश्ते भी नहीं आ रहे हैं। इस पर राहुल गांधी ने युवाओं को भरोसा दिलाया था कि यदि उनकी सरकार आती है तो वह अग्निवीर भर्ती योजना में जो सुधार हो सकता है।

## उत्तराखंड के नानकमत्ता डेरा प्रमुख की हत्या

- बाइक सवार बदमाशों ने तरसेम सिंह पर बरसाईं गोलियां

**देहरादून (एजेंसी)।** उत्तराखंड के नानकमत्ता डेरा के प्रमुख जत्थेदार बाबा तरसेम सिंह की गुरुवार सुबह हत्या कर दी गई। बाइक से पहुंचे दो बदमाशों ने डेरे के अंदर उन पर गोलियां दागीं। उन्हें खटीमा अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस घटना की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन कर दिया गया है। गुरुवार सुबह 6.15 बजे दो हमलावर मौके पर पहुंचे और वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। बाबा तरसेम सिंह की पहचान पूरे राज्य में थी। वे सत्ता और विपक्ष में भी पहचाने जाते थे।

### बाइक रोकी, फिर सीने में मारी गोली

घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है। इसमें तरसेम सिंह कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं, तभी बाइक पर 2 बदमाश आते हैं। उन्होंने तरसेम सिंह के पास पहुंचते ही बाइक रोकी और उन्हें राइफल से सीने में गोली मार दी। इसके बाद तरसेम सिंह छटपटाते हुए कुर्सी से खड़े हो जाते हैं।

गारंटी
महिला अपराध = भाजपा

## महिला अत्याचार रोकने में विफल रही भाजपा सरकार : कांग्रेस

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस ने कहा है कि मोदी सरकार में महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला अपराधों को रोकने में विफल साबित हुई है। महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लाम्बा ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों को लेकर केंद्र सरकार से सवाल पूछे गए थे और उम्मीद की जा रही थी कि महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी सवालों का जवाब देंगी लेकिन वह जवाब देने से बचती रही हैं। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद थी कि देश की महिला-बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी एक प्रेस वार्ता करके अपने विभाग का रिपोर्ट कार्ड पेश करेंगी। स्मृति ईरानी इससे बचती रहीं लेकिन हमने अब उनकी जवाबदेही तय करने की ठानी है।कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने तमाम मुद्दों पर श्रीमती ईरानी से सवाल पूछे जिनका उन्होंने ट्विटर पर जवाब दिया। उम्मीद कि वह प्रेस वार्ता करें न कि जवाब ट्विटर पर दें। उनका ये रवैया वैसा ही रहा, जैसा कोरोना के लॉकडाउन में दिखा था। क्योंकि जब देश में बच्चे, महिलाएं सड़कों पर थे तो स्मृति ईरानी अंताक्षरी खेल रही थी।' कांग्रेस नेता ने कहा, 'भाजपा का नारा था- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ। ये नारा कुछ ही समय में बदलकर हो गया- भाजपा से बेटी बचाओ'। क्योंकि देशभर में भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जो बलात्कारियों को संरक्षण देती है।महिला पहलवानों के यौन शोषण का आरोपी बृजभूषण शरण सिंह- उन्नाव कांड का कुलदीप सेंगर। बीएचयू गैंगरेप में आरोपी भाजपा के पदाधिकारी। बिलकिस बानो के गुनहगार महिला अपराधियों की ये लिस्ट बहुत लंबी है जिसमें भाजपा ने हर बार सिर्फ बलात्कारियों का ही साथ दिया है।'

## संपादकीय

# सबक ले पाकिस्तान

आजकल पाकिस्तान तनाव से गुजर रहा है और इसके लिए वहां पोषित आतंकवाद की जितनी निंदा की जाए, कम होगी। एक आत्मघाती आतंकी ने विस्फोटकों से भरी कार से चीनी इंजीनियरों व श्रमिकों को ले जा रहे वाहन में टक्कर मार दी, जिसमें पांच चीनी नागरिकों सहित एक पाकिस्तानी ड्राइवर की मौत हो गई। चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ हफ्तों में पाकिस्तान में यह तीसरा ऐसा हमला है, जब आतंकियों ने विकास कार्यों को निशाना बनाया है। अब तक नौ चीनी नागरिक आतंकी हमलों में अपनी जान गंवा चुके हैं। यह घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के शांगला जिले में हुई है, जहां पाकिस्तान की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना का काम चल रहा है। चीनी इंजीनियर दासू बांध की ओर ही जा रहे थे, जब उन पर हमला हुआ। इस हमले के बाद चीन ने बड़ी नाराजगी का इजहार किया है, जिससे पाकिस्तान सरकार की चिंता बहुत बढ़ गई है। चिंता का पता इसी से चलता है कि मंत्रियों के अलावा खुद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चीनी दूतावास जाकर अधिकारियों को आश्वस्त किया है। अमूमन राजदूतों को प्रधानमंत्री कार्यालय या विदेश मंत्रालय बुलाकर संदेश देने की परंपरा रही है, पर यह विरल मौका है, जब प्रधानमंत्री को खुद दूतावास जाना पड़ा है। आतंकवाद दोधारी तलवार की तरह है। भारत ने बार-बार चेताया है कि पाकिस्तान आतंकवादियों को पोसने से बाज आए, पर इतने जख्म खाकर भी वह समझने को तैयार नहीं है। आतंकवाद पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि चीन के लिए भी व्यवसाय बढ़ाने या खुद को कूटनीतिक रूप से मजबूत करने का एक माध्यम बन गया है। अगर चीन अपने नागरिकों की निर्मम मौतों से कुछ सीखे और पाकिस्तान को आतंकियों के विरुद्ध कदम उठाने को मजबूर करे, तो इससे बेहतर कोई बात नहीं हो सकती। अगर पाकिस्तान सरकार वाकई इस हमले के दोषियों को पकड़ पाती है, तो इसका असर वहां आतंकवाद के नेटवर्क पर जरूर पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस्लामाबाद आतंकवाद को लेकर गंभीर हो जाए, क्योंकि अगर फिर से चीनी नागरिकों को निशाना बनाया जाता है, तो पाकिस्तान को हर तरह से नुकसान के लिए तैयार रहना चाहिए। बीजिंग आज हर तरह से इस्लामाबाद का मददगार बना हुआ है, इसके बावजूद पाकिस्तानी धरती पर सक्रिय आतंकवादी यदि चीन के नागरिकों को ही निशाना बनाते हैं, तो यह पाकिस्तानी सत्ता-प्रतिष्ठान के लिए वाकई चिंता की बात होनी चाहिए। पाकिस्तानी तालिबान ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अपने हमले इधर बढ़ा दिए हैं। पिछले सप्ताह ही, ग्वादर बंदरगाह के बाहर चीनी नागरिकों को ले जा रहे एक काफिले पर गोलीबारी के बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के आठ आतंकियों को मार डाला था। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी पाकिस्तान से आजादी चाहती है। पाकिस्तान आजादी की इस पुरानी मांग को खारिज करता रहा है, पर उसे आतंकवाद के खिलाफ ईमानदारी से लड़ना चाहिए। भारत के साथ फिजूल दुश्मनी में पाकिस्तान ने काफी कुछ गंवाया है और अब जब वह आर्थिक रूप से बदहाल हो चुका है, तब उसके लिए विकास पर पूरी तरह से ध्यान देने के अलावा अन्य कोई रास्ता नहीं बचा है। अगर वह विकास की ओर ध्यान नहीं देगा, और उधार, अनुदान में फंसता चला जाएगा, तो उसके प्रधानमंत्री के लिए ऐसे ही दूतावासों में जाकर सफाई देने की दुखद नौबत आती रहेगी।

## आज का राशिफल

| | |
|---|---|
| **मेष** | आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। |
| **वृषभ** | व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। |
| **मिथुन** | जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा। |
| **कर्क** | पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। |
| **सिंह** | पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। |
| **कन्या** | व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं। |
| **तुला** | बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। |
| **वृश्चिक** | पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी। |
| **धनु** | शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। |
| **मकर** | रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। |
| **कुम्भ** | पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। |
| **मीन** | जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है। |

# भारत सतर्क रहे मास्को में हुए हमले से

**पुष्परंजन**

मास्को के क्रॉकस सिटी हाल पर 22 मार्च को भयावह आतंकी हमले के सिलसिले में जिन चार ताजिकों पर कोर्ट ट्रायल चल रहा है, उनकी नागरिकता की ज़िम्मेदारी लेने से ताजिक राष्ट्रपति इमोमाली रहमान ने पल्ला झाड़ लिया है। ताजिक राष्ट्रपति ने पुतिन को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकियों की कोई राष्ट्रीयता नहीं होती। करीब 137 लोगों की हत्या करने वालों के साथ आपको जैसा सुलूक करना हो, करें। जिन चार ताजिकों की तुड़ाई रशियन जांच एजेंसियों ने की है, उन लोगों की पहचान सैदाक्रम राजाबलीजोडा, दलेरजोन मिर्जोव, मुहम्मद सोबिर फैजोव और फरीदुन शम्सिद्दीन के रूप में की गई है। अदालत ने कहा कि बंद कमरे में हुई सुनवाई के दौरान चार में से तीन लोगों ने अपना दोष स्वीकार कर लिया है। रूसी मीडिया रिपोर्टों में 11 गिरफ्तारियां बताई गई थीं। मगर, चार के बाद वो बाकी लोग कौन हैं? यह सवाल अनुत्तरित है। यूक्रेन बार-बार पल्ला झाड़ रहा है कि इस हमले से हमारा कोई लेना-देना नहीं। पुतिन ने इस कांड का पूर्वाभास देने वाले अमेरिका के विरुद्ध अलग से मोर्चा खोल रखा है। ख़बर यह बन रही है कि यह सब सीआईए का किया-कराया है, जिसके तार यूक्रेन से जुड़े हैं। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है, रूसी इंटेलीजेंस की विफलता। पुतिन इस चूक को मानने से इनकार कर रहे हैं। मगर, पुतिन के विरोधी बोल रहे हैं कि रूसी इंटेलीजेंस के लोगों को केवल सिस्टम की आलोचना करने वालों के पीछे लगा रखा है, इन्हें देश की सुरक्षा से मतलब नहीं। दूसरी ओर ताजिक राष्ट्रपति इमोमाली रहमान के बयान के बाद उनके देश में ही राजनीति शुरू हो गई है। विपक्षी इस्लामिक रेनेसां पार्टी ऑफ ताजिकिस्तान (आईआरपीटी) के नेता मुहिद्दीन कबीरी ने अपने कुछ नागरिकों को कट्टरपंथी बनाने के लिए इमोमाली रहमान की तानाशाह नीतियों और इस्लाम के विरुद्ध कार्रवाई को जिम्मेदार ठहराया है। 'आईआरपीटी' जो कभी सरकार में सहयोगी थी, अब ताजिकिस्तान में प्रतिबंधित है। रूसी सांसद अलेक्जेंडर खिनशेटिन ने टेलीग्राम पर लिखा कि कार के अंदर ताजिक पासपोर्ट पाए गए थे, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर संदिग्धों ने मॉस्को से लगभग 340 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में ब्रांस्क क्षेत्र में रूसी पुलिस द्वारा पकड़े जाने से पहले किया था। राजाबलीजोडा, वह शख्स है, जिसका कोर्ट ट्रायल हो रहा है। एक वीडियो क्लिप में उसे मॉस्को हमले में भाग लेने की बात कबूल करते हुए दिखाया गया है। वीडियो फुटेज में रूसी सुरक्षा अधिकारियों को उस शख्स का कान काटते हुए दिखाया गया है। उसके सिर पर पट्टी बंधी हुई और चेहरा और टी-शर्ट खून से लथपथ भी दिखाया गया है। उस व्यक्ति का कहना है कि हमले के स्थान से भागते समय उसने और उसके अन्य साथियों ने अपने हथियार सड़क पर कहीं छोड़ दिए थे। ताजिक लहजे में रूसी बोलते हुए, एक और शख्स फरीदुन शम्सिद्दीन वीडियो फुटेज में कह रहा है कि अंधाधुंध गोलियां बरसाने के लिए उसे एक मिलियन रूबेल देने की पेशकश की गई थी। ऐसे वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि भी एक अलग चुनौती है। संदिग्धों में 19 वर्षीय मुहम्मद सोबिर फैजोव भी शामिल है, जो ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे का रहने वाला है। फैजोव कथित तौर पर गिरफ्तारी से पहले घायल हो गया था, जिसका ब्रांस्क अस्पताल में इलाज किया गया है। रूसी मीडिया की रिपोर्टों और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो क्लिप्स ने प्रवासी ताजिक नागरिकों पर शामत ला दी है। रूस, सेंट्रल एशियाई देशों के लाखों श्रमिकों के लिए घर जैसा है। रूस में 18 से 20 लाख के लगभग ताजिक मूल के लोग हैं। वहां क्रॉकस सिटी हाल हत्याकांड से लोग इतने आहत और गुस्से में हैं कि ताजिक विरोधी दंगे भी कई जगहों पर देखने को मिल रहे हैं। सुदूर पूर्वी शहर ब्लागोवेशचेंस्क में ताजिक प्रवासियों द्वारा चलाए जा रहे एक कैफेटेरिया में आग लगा दी गई, जबकि पश्चिमी रूसी शहर कलुगा में कथित तौर पर तीन ताजिकों को पीटा गया। कई रूसी शहरों में ड्राइवर ताजिक होने का पता लगते ही टैक्सी सेवा के ग्राहक कथित तौर पर अपना ऑर्डर रद्द करने लगे। ताजिक के शक में सेंट्रल एशियाइयों के विरुद्ध भी कुछ ऐसी ही प्रतिक्रियाएं देखने को मिलने लगी हैं। गत 23 मार्च को मॉस्को के शेरेमेतयेवो हवाई अड्डे पर दर्जनों किर्गिज पुरुषों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें लगभग 24 घंटों तक कोई भोजन या पानी नहीं मिला है, और महिलाओं और बच्चों को किर्गिस्तान की उड़ानों में वापस भेज दिया गया है। सेंट्रल एशिया में अवस्थित ताजिकिस्तान पहले सोवियत संघ का हिस्सा था जिसके विघटन के बाद 1991 में एक स्वतंत्र देश बना। 1992 से 1997 के कालखंड में गृहयुद्धों की मार झेल चुके इस देश की कूटनीतिक-भौगोलिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। यह उजबेकिस्तान, अफगानिस्तान, किर्गिजस्तान तथा चीन के मध्य स्थित है। उत्तरी पाकिस्तान का पतला-सा वाखान गलियारा भी इसे जोड़ता है। ताजिकिस्तान की भाषा ताजिक फारसी का ही एक रूप है। 1 करोड़ 28 लाख की आबादी वाला ताजिकिस्तान पूर्व सोवियत गणराज्यों में सबसे अधिक ग़रीब देश है। भ्रष्टाचार और राजनीतिक दमन के लिए जाना जाने वाला यह देश, 1994 से राष्ट्रपति इमोमाली रहमान के कठोर शासन की गिरफ्त में है। अनुमान है कि रूस में 18 से 20 लाख से ताजिक मूल के लोग रहते हैं, उनमें से अधिकांश अधोसंरचना, इंडस्ट्रीयल प्रोडक्शन जैसे असंगठित क्षेत्रों में लेबर हैं, या फिर सार्वजनिक शौचालयों की सफाई जैसी नौकरियां करते हैं। रूस की घटती जनसंख्या ने ऐसे श्रमिकों पर निर्भरता बढ़ा दी है। बावजूद इसके, सेंट्रल एशिया और काकेशस क्षेत्र के मूल निवासियों के प्रति रूसियों का रवैया आम तौर पर नकारात्मक है। यह ठीक वैसा ही है, जैसे मैक्सिकन लोगों के बारे में अमेरिकी सोच है। 2015 में डोनाल्ड ट्रम्प ने बोल भी दिया था, वे मैक्सिको से ड्रग्स ला रहे हैं। अपराध ला रहे हैं। खुरासान एक समय फारसी साम्राज्य का हिस्सा हुआ करता था, जो अब ईरान, अफगानिस्तान और मध्य एशियाई मुल्कों में विभाजित है। इसी खुरासान के हवाले से आइसिस से संबद्ध रहा आतंकी संगठन 'आईएसआईएस-के' का जन्म हुआ। सीरिया युद्ध के समय दुनिया को बताया गया कि इनका सफाया कर दिया जा चुका है। मगर, यह एक धोखा था। अब ये एक ऐसे आतंकी हैं, जो पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान, सेंट्रल एशिया और दुनिया के मुख़्तलिफ़ हिस्सों में पसर चुके हैं। इनके हमलों की कहानियां भयानक हैं। विभिन्न सरकारें और एजेंसियां इनका दुरुपयोग करने में लगी हैं। क्या भारत को आइसिस-खुरासान से सतर्क रहने की ज़रूरत नहीं?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

# राजस्थान में वसुंधरा समर्थक सांसदों का सफाया

**(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)**

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी ने वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के सभी समर्थक सांसदों के टिकट काट दिए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे समर्थक विधायकों के बड़ी संख्या में टिकट काटे गए थे। अब लोकसभा चुनाव में भी उनके समर्थकों का सफाया हो गया है। सिर्फ वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह को झालावाड़ से पांचवीं बार सांसद का टिकट मिला है। श्रीगंगानगर सीट पर पांच बार के मौजूदा सांसद निहालचंद मेघवाल का टिकट काटकर अनूपगढ़ नगर परिषद की अध्यक्ष प्रियंका बैलान को प्रत्याशी बनाया गया है। प्रियंका बैलान प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सीपी जोशी के साथ युवा मोर्चा में प्रदेश सचिव रह चुकी है। निहालचंद मेघवाल 1996, 1999, 2004, 2014 व 2019 में सांसद व 1998 में रायसिंह नगर से विधायक रह चुके हैं। उनके पिता बेगाराम चौहान 1977 में जनता पार्टी से व 1989 में जनता दल से सांसद व 1972 में रायसिंह नगर से स्वतंत्र पार्टी की टिकट पर विधायक रह चुके हैं। निहालचंद के भाई लालचंद चौहान भी 2003 में रायसिंह नगर से भाजपा के विधायक रह चुके हैं। ऐसे में निहालचंद मेघवाल का टिकट काटने का सिर्फ एक ही कारण रहा है। उनका वसुंधरा राजे गुट में होना। कांग्रेस ने वहां से कुलदीप इंदौरा को प्रत्याशी बनाया है। चूरू से भाजपा के दो बार सांसद रहे राहुल कस्वां का टिकट काटने का भी मुख्य कारण वसुंधरा राजे के नजदीकी होना था। राहुल कस्वां चूरू में मजबूत जनाधार वाले नेता माने जाते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में नेता प्रतिपक्ष रहे राजेंद्र राठौड़ के तारानगर से चुनाव हारने के चलते राहुल कस्वां का टिकट काटा गया है। राहुल कस्वां स्वयं 2014 व 2019 में चूरू से भाजपा टिकट पर चुनाव जीत चुके हैं। उनके पिता रामसिंह कस्वां चूरू से चार बार सांसद व सादुलपुर से विधायक रह चुके हैं। राहुल कस्वां के दादा दीपचंद कस्वां 1980 में सादुलपूर सीट से निर्दलिय व राहुल कस्वां की माता कमला कस्वां 2008 में सादुलपुर से भाजपा की विधायक रह चुकी है। उनकी माता कमला कस्वां चूरू की जिला प्रमुख व पंचायत समिति प्रधान भी रही हैं। राहुल कस्वां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के छोटे भाई कुलदीप धनकड़ के दामाद है। फिर भी उनका टिकट महज राजेंद्र राठौड़ के विरोध के चलते काटा गया है। अब राहुल कस्वां कांग्रेस टिकट पर चूरू लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। झुंझुनू से नरेंद्र कुमार खीचड़ का टिकट काटकर उदयपुरवाटी से पूर्व में विधायक रहे शुभकरण चौधरी को प्रत्याशी बनाया गया है। नरेंद्र खीचड़ भी वसुंधरा राजे के नजदीकी माने जाते रहे हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले स्वयं वसुंधरा राजे ने उनको भाजपा में शामिल करवा कर 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा टिकट पर प्रत्याशी बनवाया था। 2019 में उन्हें वसुंधरा राजे की सिफारिश पर ही लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया गया था। झुंझुनू में कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला के सुपुत्र विजेंद्र ओला को प्रत्याशी बनाया है। जयपुर शहर लोकसभा सीट से भाजपा से दो बार लगातार सांसद व पूर्व जिला प्रमुख रहे रामचरण बोहरा का टिकट काटकर मंजू शर्मा को प्रत्याशी बनाया गया हैं। रामचरण बोहरा वसुंधरा राजे के नजदीकी लोगों में शुमार होते थे तथा उनके हर कार्यक्रम में पूरी सक्रियता से भाग लेते थे। इसी के चलते उनका टिकट काटा गया है। हालांकि मंजू शर्मा भी भाजपा के तीन बार प्रदेश अध्यक्ष व भाजपा की सभी सरकारों में मंत्री रहे दिग्गज नेता भंवरलाल शर्मा की पुत्री है तथा 2008 में हवामहल सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी बृजकिशोर शर्मा से मात्र 580 वोटो से चुनाव हार गई थी। चर्चा है कि मंजू शर्मा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सिफारिश पर भाजपा का प्रत्याशी बनाया गया है दौसा से भाजपा सांसद जसकौर मीणा का टिकट काट दी गयी है। जसकौर मीणा पूर्व में सवाई माधोपुर से सांसद व बाजपेयी सरकार में राज्य मंत्री रह चुकी है। वह वसुंधरा राजे के नजदीकी मानी जाती है। दौसा सीट पर वर्तमान सांसद जसकोर मीणा अपनी पुत्री अर्चना मीणा को टिकट दिलवाना चाहती थी। वहीं राजस्थान सरकार में मंत्री किरोड़ीलाल मीणा अपने भाई जगमोहन मीणा को टिकट दिलवाना चाहते थे। ऐसे में भाजपा ने वहां से चार बार विधायक व मंत्री रह चुके कन्हैयालाल मीणा को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने दौसा से मौजूदा विधायक मुरारीलाल मीणा को प्रत्याशी बनाया है। करौली-धौलपुर लोकसभा सीट से भाजपा ने मौजूदा सांसद मनोज राजोरिया का टिकट काट कर पूर्व प्रधान इन्दु देवी जाटव को प्रत्याशी बनाया है। मनोज राजोरिया 2014 व 2019 में सांसद बनने में सफल रहे थे। उनका वसुंधरा राजे के प्रति जुड़ाव किसी से छिपा हुआ नहीं है। इसी के चलते उनका टिकट काटा गया है। उदयपुर सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। यहां से लगातार दो बार सांसद रहे अर्जुनलाल मीणा का टिकट काटकर उनके स्थान पर परिवहन विभाग में कार्यरत मन्नालाल रावत को उम्मीदवार बनाया गया है। अर्जुन लाल मीणा वसुंधरा राजे गुट के माने जाते हैं। इसी के चलते उनका टिकट काट दिया गया है। कांग्रेस ने यहां से पूर्व जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा को प्रत्याशी बनाया है। बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा सीट पर मौजूदा सांसद कनकमल कटारा का टिकट काटकर कांग्रेस से भाजपा में आए विधायक महेंद्रजीत सिंह मालवीय को प्रत्याशी बनाया गया है। मालवीय प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पसंद माने जाते हैं। भीलवाड़ा लोकसभा सीट पर लगातार दो बार से सांसद बनते आ रहे सुभाष बहेड़िया का टिकट कटना भी तय माना जा रहा है क्योंकि यहां से अभी तक प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं हो पाई है। जबकि कांग्रेस ने यहां से दामोदर गुर्जर को अपना प्रत्याशी बना दिया है। सुभाष बहेड़िया ने 2019 का लोकसभा चुनाव 611460 वोटो के अंतर से जीता था। इतनी बड़ी जीत होने के बावजूद भी बहेड़िया का टिकट क्लियर नहीं होने के चलते कयास लगाए जा रहे हैं कि पिछली बार अजमेर से कांग्रेस प्रत्याशी रहे रिजु झुंझुनूवाला के भाजपा में शामिल होने के चलते भीलवाड़ा से उनको भी प्रत्याशी बनाया जा सकता है अजमेर से भाजपा के मौजूदा सांसद व प्रत्याशी बनाये गये भागीरथ चौधरी पिछले विधानसभा चुनाव में किशनगढ़ सीट पर तीसरे स्थान पर रहे थे। मगर इसके बावजूद उनको प्रत्याशी बनाया गया है। भागीरथ चौधरी भी पहले वसुंधरा राजे के नजदीकी थे। मगर उन्होंने परिस्थितियों देखकर उनसे दूरी बना ली। इसी के चलते उनका प्रत्याशी बना दिया गया है। राजस्थान भाजपा में अब पूरी तरह पीढ़ीगत बदलाव हो रहा हैं। एक तरफ जहां भजनलाल शर्मा जैसे आम कार्यकर्ता को वसुंधरा राजे पर तरहीज देते हुए मुख्यमंत्री बना दिया गया है। वहीं लोकसभा चुनाव में भी सभी वसुंधरा समर्थकों के टिकट काटकर नए लोगों को प्रत्याशी बनाना इस बात का संकेत है कि राजस्थान की राजनीति में अब वसुंधरा राजे का प्रभाव समाप्त हो रहा है और नई पीढ़ी के नेता आगे आ रहे हैं। (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

## विचार मंथन

# अंतरराष्ट्रीय दबाव को समय रहते पहचाने सरकार

(लेखक - सनत जैन)

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर जर्मनी और अमेरिका की सरकारों द्वारा जिस तरह की टिप्पणी की गई है। भारत सरकार ने जिस तरह से जर्मन और अमेरिका की सरकार को प्रतिक्रिया से अवगत कराया है। उसको लेकर अंतरराष्ट्रीय जगत में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिलने लगी है।भारत सरकार ने जर्मन और अमेरिका के राजनायिकों को दिल्ली के विदेश मंत्रालय में तलब करके, भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने पर नाराजी जताई है। यह भारत का आंतरिक मामला नहीं है। वैश्विक व्यापार संधि के बाद सारी दुनिया के देश आपस में जुड़े हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय समझौते के रूप में भारत ने दर्जनों समझौते मानव अधिकार और लोकतंत्र वैश्विक व्यापार इत्यादि के मसले पर कर रखे हैं। भारत की वर्तमान न्यायपालिका और लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर अंतरराष्ट्रीय जगत में इसी तरह की प्रतिक्रिया होनी थी, जो हुई है। भारतीय न्यायपालिका और भारत सरकार दोनों को ही अमेरिका और जर्मनी द्वारा की गई टिप्पणी को गंभीरता से लेने की जरूरत है। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो इसका असर अंतरराष्ट्रीय संबंधों और व्यापार मे पडना तय है। भारत सरकार राजनीतिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को किसी कीमत में बर्दाश्त नहीं करेगा। यह संदेश भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय जगत को देने की कोशिश की है। भारत की कानूनी प्रक्रिया पर अमेरिका ने जिस तरह से अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। वह केवल भारत का मामला नहीं है। भारतीय न्याय पालिका से सारे दुनिया के देश जो भारत से किसी भी तरह से कोई रिश्ता रखते हैं। किसी भी देश का कोई नागरिक या कंपनी भारत के साथ रिश्ता रखती है। भारत की न्यायिक व्यवस्था उसे प्रभावित करती है। जिस तरह से भारत की न्यायपालिका को अंतरराष्ट्रीय जगत में स्वतंत्र भारतीय न्यायपालिका के स्थान पर,सरकार के प्रभाव में काम कर रही न्यायपालिका के रूप में देखा जा रहा है। उससे सारी दुनिया के देशों की चिंता बढ़ रही है। भारत में जो नियम कायदे कानून लागू है। वह भारतीयों के साथ-साथ पूरी दुनिया के देशों के उन नागरिकों और उन कंपनियों के ऊपर भी लागू होते हैं। जो भारत के साथ व्यापार, पर्यटन, बैंकिंग, मानव अधिकार और धार्मिक आधार में जुड़े होते हैं। अंतर्राष्ट्रीय संस्थान जो भारत को आर्थिक मदद देते हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं एक लोकतांत्रिक देश के रूप में भारत के साथ जिस तरह अंतरराष्ट्रीय कानून की सहभागिता को देखते हुए रिश्ते बनाते हैं। यदि उन्हें लगता है, कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था खत्म हो रही है। न्यायपालिका पर सरकार की दखलंदाजी है। मानव अधिकार कानूनों का पालन ठीक तरीके से नहीं हो रहा है। ऐसी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय दबाव बनना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। 1975 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू किया था। वह घोषित आपातकाल था। संसद का कार्यकाल बढ़ाया गया था। इसके विरोध में अंतरराष्ट्रीय जगत में उस समय भी इसी तरह की के प्रतिक्रिया व्यक्त की गई थी। तत्कालीन सरकार पर दबाव बनाया गया था।तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को आपातकाल को खत्म करना पड़ा था। तत्कालीन सरकार को लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव कराने पड़े। जेल में बंद सारे मीसा बंदियों को छोड़ना पड़ा था। उस समय इंदिरा गांधी ऐसा नहीं करती, तो अमेरिकी प्रतिबंधों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय जगत के कई प्रतिबंधों का सामना भारत को करना पड़ता। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद भारत के ऊपर अमेरिकी प्रतिबंध पहले से ही लागू थे। जिसके कारण भारत सरकार को 1977 में दबाव में आना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय दबाव के कारण ही भारत सरकार को चुनाव कराने पड़े थे। आपातकाल खत्म करना पड़ा था।

अभी अघोषित आपातकाल की तरह स्थिति है। अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर जो सहमति भारत सरकार ने दी है। भारतीय कानून भी अंतरराष्ट्रीय कानून का समर्थन करते हैं। विशेष रूप से मानव अधिकार, वैश्विक व्यापार एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर जो सहमति हमने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दे रखी है। उसी के कारण अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत की वर्तमान स्थिति पर टीका टिप्पणी की जा रही है। यदि इसको सही तरीके से नहीं देखा गया, तो आगे चलकर भारत के लिए मुसीबतें खड़ी हो सकती हैं। भारत सरकार का यह कहना है, जर्मन और अमेरिका ने भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप किया है।

यह सही प्रतीत नहीं होता है। जिस तरह से विपक्षी दलों के ऊपर सरकारी एजेंसियों द्वारा कार्रवाई की जा रही है। न्यायपालिका से पीड़ित पक्ष को राहत नहीं मिल रही है। विभिन्न कानूनो के माध्यम से नागरिकों को आरोप के आधार पर कई महीने और सालों तक जेल में बंद करके रखा जा रहा है। न्यायालय से आरोपियों को जमानत नहीं मिल रही है। उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। तारीख पर तारीख दी जा रही है।

क्रांति समय
शुक्रवार 29-मार्च-2024
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बी एच ई एल
BHEL
adan

## बीएचईएल को अडाणी पावर से मिला 4,000 करोड़ का ऑर्डर

**नई दिल्ली ।** सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में 1,600 मेगावाट के रायगढ़ चरण- 2 ताप-विद्युत संयंत्र की स्थापना के लिए अडाणी पावर लिमिटेड से 4,000 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। बीएचईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इसे छत्तीसगढ़ के रायगढ़ चरण-2 में अति-महत्वपूर्ण तकनीक पर आधारित दो गुणा 800 मेगावाट की परियोजना के लिए उपकरणों की आपूर्ति, निर्माण और परिचालन के पर्यवेक्षण के लिए 27 मार्च, 2024 को ऑर्डर मिला है।

## कल्पतरु और उसकी शाखाओ को मिले 2,071 करोड़ के ठेके

**नई दिल्ली ।** कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल और उसकी शाखाओं को 2,071 करोड़ रुपये के ठेके हासिल हुए हैं। कंपनी के अनुसार नए ठेकों में विदेशी बाजारों में ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन (टीएंडडी) व्यवसाय के ठेके शामिल हैं। इसके अलावा उसे भारत में एक भूमिगत मेट्रो रेल परियोजना के डिजाइन व निर्माण का ठेका भी मिला है। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ब्राजील में टीएंडडी ठेके तथा भारत में भूमिगत मेट्रो रेल-टनलिंग ठेके ने फास्टटेल और अर्बन इंफ्रा व्यवसाय के लिए भविष्य में विकास की संभावना को काफी बढ़ा दिया है। केपीआईएल वर्तमान में 30 से अधिक देशों में परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है और 70 से अधिक देशों में इसकी वैश्विक उपस्थिति है।

## 2,500 एक्स यूजर्स को प्रीमियम सेवा मुफ्त

**वाशिंगटन ।** अरबपति एलन मस्क ने गुरुवार को कहा कि 2,500 सत्यापित सब्सक्राइबर फॉलोअर्स वाले एक्स यूजर्स को प्रीमियम सुविधाएं मुफ्त में मिलेंगी। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ ने यह भी कहा कि 5,000 से अधिक सत्यापित सब्सक्राइबर फॉलोअर्स वाले यूजर्स को प्रीमियम सेवा मुफ्त में मिलेगी। एक्स के मालिक की इस घोषणा का यूजर्स ने स्वागत किया और कुछ ने स्पष्टीकरण मांगा। एक फालोअर ने कहा कि यह वास्तव में अच्छी खबर है। लेकिन मैं स्पष्टीकरण चाहूंगा, क्या आप सत्यापित फालोअर्स की बात कर रहे हैं, या आप एक्स सदस्यता के संदर्भ में सब्सक्राइबर पर चर्चा कर रहे हैं? एक अन्य ने पोस्ट किया कि किसी के एक लाख फॉलोअर्स हो सकते हैं, लेकिन अगर उनके बीच सब्सक्राइबर्स 2,500 से कम हैं, तो प्रीमियम सेवा मुफ्त में नहीं मिलेगी।

## रुपया डॉलर के मुकाबले 83.33 पर स्थिर

**मुंबई ।** अमेरिकी मुद्रा और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.33 पर स्थिर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सकारात्मक घरेलू बाजारों और विदेशी कोषों के प्रवाह ने भारतीय मुद्रा में गिरावट को रोकने में मदद की। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.32 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों में गिरावट के बाद 83.33 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के बराबर है। रुपया बुधवार को चार पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.33 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.07 पर कारोबार कर रहा था।

# शेयर बाजार बढ़त पर बंद

**मुम्बई ।**

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले मजबूत संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 655.04 अंकों की बढ़त के साथ ही 53,515.19 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 203.25 अंक बढ़कर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल आया। ये तेजी बैंक, ऑटो, वित्तीय सेवाओं के साथ ही एफएमसीजी और आईटी शेयरों में आई। इसके अलावा निफ्टी के चार क्षेत्रों के अलावा अन्य सभी में उछाल रहा।

आज पेंट बनाने वाली कंपनी ग्रासिम, बजाज फिनजर्व, हीरो मोटोकॉर्प , बजाज फाइनैंस और ऑयशर मोटर्स के शेयर उछले। वहीं श्रीराम फाइनैंस , एक्सिस बैंक , बजाज ऑटो , टेक महिंद्रा और रिलायंस के शेयर नीचे आये । इससे पहले आज सुबह सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन इंट्रा-डे कारोबार में मजबूती मिली। बाजार के प्रमुख इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर खुले। शुक्रवार को गुड फ्राइडे की छुट्टी के कारण बाजार बंद रहेंगे।

गुरुवार को एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 300 अंक से अधिक की बढ़त के साथ 73,300 के स्तर पर खुला।

निफ्टी 50 को 22,200 के स्तर के ऊपर कारोबार करते देखा गया। मार्च में अब तक निफ्टी में 0.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और वित्तीय वर्ष 24 के लिए इसमें 27.4 फीसदी की तेजी आई है। आरबीआई द्वारा बैंकों और एनबीएफसी के लिए अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स (एआईएफ) में निवेश के मानदंडों में ढील देने के बाद बजाज फायनेंस और बजाज फिनसर्व लगभग 2 प्रतिशत की बढ़त के साथ टॉप पर रहे। विप्रो, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इंफोसिस और पावर ग्रिड अन्य उल्लेखनीय मूवर्स रहे।

## स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने सीडीएसएल में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेची

**नई दिल्ली ।** स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) में अपनी पूरी 7.18 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी। यह बिक्री 1,266 करोड़ रुपये में की गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के पास उपलब्ध थोक सौदे के आंकड़ों के अनुसार स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने सीडीएसएल के 75 लाख शेयर बेचे। हिस्सेदारी बिक्री औसतन 1,688.64 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर की गई। इससे सौदे का मूल्य 1,266.48 करोड़ रुपये है। एनएसई के पास उपलब्ध शेयरधारिता आंकड़ों के अनुसार स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के पास दिसंबर, 2023 तक सीडीएसएल में 7.18 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। सीडीएसएल के शेयरों के खरीदारों के बारे में जानकारी फिलहाल नहीं मिल पाई है। एनएसई में सीडीएसएल का शेयर 5.58 प्रतिशत टूटकर 1,689 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई में एक अलग लेनदेन में शिकॉगो स्थित इक्विटी इंटरनेशनल ने खुले बाजार सौदे में 209 करोड़ रुपये में साम्ही होटल्स में 4.7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची है।

## गौतम अडानी ग्रुप का ऐलान, अपने पहले तांबा संयंत्र का परिचालन शुरू किया

**अहमदाबाद ।**

देश के बड़े कारोबारी घरानों में शुमार गौतम अडानी ग्रुप ने अपने कारोबार विस्तार को आगे बढ़ाकर गुरुवार को घोषणा की कि ग्रुप ने गुजरात के मुंद्रा में अपने पहले तांबा संयंत्र का परिचालन शुरू कर दिया है। अडाणी एंटरप्राइजेज दो फेज में 10 लाख टन क्षमता का संयंत्र लगा रही है। पहले फेज में करीब 1.2 अरब डॉलर का निवेश होगा। यह मेटल इंडस्ट्री में अदानी ग्रुप की शुरुआत का प्रतीक है। कंपनी ने कहा कि ग्रीनफील्ड यूनिट की सफल प्रगति समूह की बड़े पैमाने की परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने की क्षमता को दर्शाती है। खबर के मुताबिक, अदानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा कि कच्छ कॉपर (तांबा संयंत्र) का ऑपरेशन शुरू होने के साथ अदानी ग्रुप न सिर्फ धातु क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है, बल्कि भारत को एक स्थायी और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर ले जा रहा है। गौतम अडानी ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी, भव्य-आकार की परियोजना को पूरा करने की हमारी गति भारत को वैश्विक तांबा क्षेत्र में अग्रणी बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। हमारा मानना है कि घरेलू तांबा उद्योग परिपक्व पर्यावरणीय प्रबंधन के साथ हमारे हरित बुनियादी ढांचे को मजबूत करके 2070 तक हमारे देश के कार्बन तटस्थता के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अदानी ने कहा कि प्लांट चालू होने पर हमारा आधुनिक स्मेल्टर न्यू ग्रीन टेक्नोलॉजी पर ज्यादा जोर देने के साथ, तांबे के उत्पादन में नए मानक स्थापित करेगा। कच्छ कॉपर दूसरा फेज पूरा होने पर 10 लाख टन वार्षिक क्षमता के साथ, दुनिया का सबसे बड़ा एकल-स्थान 'कस्टम स्मेल्टर' होगा। इससे रोजगार के 2,000 प्रत्यक्ष और 5,000 अप्रत्यक्ष अवसर पैदा होने वाले हैं।

# बैंकों में पिछले 10 सालों में 5.3 लाख करोड़ की धोखाधड़ी हुई

### महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा फ्राड के मामले देखे गए

**नई दिल्ली ।**

पिछले 10 सालों में देश के बैंकों में 5.3 लाख करोड़ रुपए के धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बताया कि निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों के बैंकों ने 2013-14 से 2022-23 के बीच कुल 4,62,733 धोखाधड़ी की सूचना दी। एक आरटीआई अर्जी के जवाब में पता चला कि महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा धोखाधड़ी की सूचना मिली। इसके बाद दिल्ली, हरियाणा, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा बैंक फ्रॉड हुए। पिछले 10 वित्तीय वर्षों में कर्नाटक, गुजरात, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में करीब 8 से 12 हजार फ्रॉड के मामले सामने आए हैं। इस बारे में केयर रेटिंग्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बैंक धोखाधड़ी में वृद्धि देखी गई है, लेकिन बैंक क्रेडिट जोखिम मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। केंद्रीय बैंक की कुछ हालिया वार्षिक रिपोर्टों के विश्लेषण से पता चला है कि ज्यादातर धोखाधड़ी कार्ड और डिजिटल या इंटरनेट बैंकिंग के जरिए हुई है। वित्त वर्ष 23 में दर्ज किए गए कुल 13,530 मामलों में से 6,659 मामले कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग के जरिए हुए। वहीं एडवांस राशि से जुड़े फ्रॉड की संख्या भी 4,109 से ज्यादा थी। एक साल पहले वित्त वर्ष 2022 में कुल 9,097 धोखाधड़ी मामलों में से एडवांस को लेकर फ्रॉड के 3,833 मामले सामने आए। वहीं कार्ड और इंटरनेट के माध्यम से धोखाधड़ी के 3,596 माले सामने आए। आरबीआई ने 2 फरवरी को अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) मानदंडों को अपडेट करने की आड़ में हो रही धोखाधड़ी को लेकर ग्राहकों को सतर्क किया था। आरबीआई ने कहा कि ऐसे मामलों में कार्यप्रणाली में आमतौर पर ग्राहकों को फोन कॉल, एसएमएस या ईमेल सहित अनचाहे मैसेज मिलते हैं, जिसके माध्यम से उन्हें व्यक्तिगत जानकारी का खुलासा करने के लिए कहा जाता है, जिसमें बाद में हेरफेर किया जाता है। विशेषज्ञों ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल बैंकिंग और भुगतान सेवाओं के उपयोग में वृद्धि के कारण बैंक धोखाधड़ी में वृद्धि देखी गई है।

# एसबीआई ने डेबिट कार्ड पर सालाना मेंटेनेंस चार्ज बढ़ाया

### - 75 रुपए तक की बढ़ोतरी, 1 अप्रैल से लागू

**नई दिल्ली।**

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने विभिन्न डेबिट कार्ड के लिए सालाना मेंटनेंस चार्ज को बढ़ाने की घोषणा कर दी है, जो अगले सप्ताह से प्रभावी होने वाली है। एसबीआई की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार विभिन्न डेबिट कार्ड के मामले में सालाना मेंटनेंस चार्ज में 75 रुपए तक की बढ़ोतरी की जा रही है। यह मेंटेनेंस चार्ज 1 अप्रैल 2024 से प्रभावी हो जाएगा। देश में करोड़ों लोग एसबीआई के डेबिट कार्ड का उपयोग करते हैं। एसबीआई ग्राहकों की संख्या के हिसाब से देश का सबसे बड़ा बैंक भी है। एसबीआई के क्लासिक, सिल्वर, ग्लोबल, कॉन्टैक्टलेस डेबिट कार्ड के मामले में अब ग्राहकों को मेंटनेंस चार्ज के रूप में 200 रुपए प्लस जीएसटी का भुगतान करना होगा। अभी यह चार्ज 125 रुपए प्लस जीएसटी है। इसी तरह युवा, गोल्ड, कॉम्बो डेबिट कार्ड, माय कार्ड (इमेज कार्ड) के मामले में 175 रुपए के बजाय 250 रुपए का चार्ज लगेगा। एसबीआई प्लैटिनम डेबिट कार्ड पर अब 250 रुपए की जगह 325 रुपए का चार्ज लगेगा। प्राइड और प्रीमियम बिजनेस डेबिट कार्ड के लिए सालाना मेंटनेंस चार्ज अब 350 रुपए से बढ़कर 425 रुपए हो जाएगा। सभी चार्ज पर अलग से जीएसटी लागू है। एसबीआई क्रेडिट कार्ड के मामले में भी कुछ बदलाव हो रहे हैं। एसबीआई कार्ड्स ने इसके बारे में बताया है कि उसके कुछ क्रेडिट कार्ड के मामले में रिवार्ड पॉइंट से जुड़े बदलाव 1 अप्रैल से लागू होने जा रहे हैं। इस बदलाव के तहत कुछ विशेष क्रेडिट कार्ड धारकों को क्रेडिट कार्ड से रेट पेमेंट करने पर अब रिवार्ड पॉइंट का फायदा नहीं मिलेगा।वहीं एसबीआई कार्ड के उन क्रेडिट कार्ड धारकों को भी नुकसान होने वाला है, जिन्हें अब तक क्रेडिट कार्ड से रेट पेमेंट करने पर रिवार्ड पॉइंट का लाभ मिल चुका है।

## अडाणी पावर ने 19,700 करोड़ का ऋण एकल दीर्घकालिक ऋण में समेकित किया

**नई दिल्ली ।** अडाणी पावर ने कंपनी के छह विशेष प्रयोजन वाहनों द्वारा हो सिल 19,700 करोड़ रुपये की विभिन्न अल्पकालिक ऋण सुविधाओं को एक दीर्घकालिक ऋण में समेकित कर दिया है। अडाणी पावर ने शेयर बाजार को बताया कि संशोधित व्यवस्था से कंपनी को एक समान कार्यकाल का लाभ मिलेगा और प्रभावी ब्याज दर कम होगी। कंपनी के अनुसार अडाणी पावर लिमिटेड (एपीएल) की क्रेडिट रेटिंग एए- तक बढ़ाए जाने के बाद आठ ऋणदाताओं वाले कंसोर्टियम वित्तपोषण व्यवस्था के तहत ऋण समेकन उसके छह विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) के समामेलन के साथ संभव हुआ। अडाणी पावर ने अलग से एक जानकारी में शेयर बाजार को बताया कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी महान एनर्जेन लिमिटेड (एमईएल) ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के साथ 20 साल का दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौता किया है। यह समझौता विद्युत नियम 2005 में परिभाषित कैप्टिव उपयोगकर्ता नीति के तहत 500 मेगावाट बिजली की आपूर्ति के लिए किया गया है।

EMS
E-VOLUTION IS NOW
MG
Cyberster

बैंकाक में 45 वें इंटरनेशनल मोटर शो में एमजी साइबरस्टर कार को देखते हुए लोग।

## मस्क और बेजोस के बीच लगातार चल रही है प्रतिद्वंदिता

### - 27 दिन में 11 बार हो चुकी है उलट-पलट

**वाशिंगटन ।** फोर्ब्स की रियल टाइम रिच लिस्ट में लगातार बदलाव हो रहा है। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट के अनुसार इस महीने अब तक दूसरे स्पॉट पर 11 बार बदलाव हो चुका है। मजेदार बात यह है कि हर बार यह प्रतिद्वंदिता केवल 2 ही लोगों के बीच हो रही है। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और टेस्ला के फाउंडर एलन मस्क, ये दोनों दुनिया के सबसे अमीर शख्स भी रह चुके हैं। हालांकि, फिलहाल यह ताज एलवीएमएच के संस्थापक बर्नार्ड आरनॉल्ट एंड फैमिली के पास है। फोर्ब्स के मुताबिक एलन मस्क और जेफ बेजोस दोनों की अनुमानित नेटवर्थ इस वक्त 196.4 अरब डॉलर ही है। इन दोनों की नेटवर्थ में अंतर इतना कम है कि शेयरों में हल्की हलचल से इनका स्थान बदल जा रहा है। वहीं दुनिया के सबसे अमीर शख्स बर्नार्ड आरनॉल्ट की तो उनकी अनुमानित नेटवर्थ 223.6 अरब डॉलर है। वहीं बर्नार्ड की अनुमानित नेटवर्थ भारतीय करेंसी में 18.607 लाख करोड़ रुपये है। इस महीने 6 मार्च को पहली बार मस्क को हटाकर जेफ बेजोस दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति का स्थान ले लेते हैं। हालांकि ये कुछ समय के लिए होता है और फिर इसी दिन मस्क दोबारा अपने स्थान पर हो जाते हैं। 8 मार्च को भी 2 बार ऐसा होता है। 13 मार्च को बेजोस एक बार फिर मस्क से आगे निकल जाते हैं। 18 मार्च को मस्क बेजोस को पछाड़कर आगे निकल जाते हैं। 19 मार्च को फिर बेजोस ऊपर और मस्क नीचे आ जाते हैं। अगले ही दिन यानी 20 मार्च को मस्क फिर ऊपर निकल जाते हैं। 21 मार्च को बेजोस और 26 मार्च को फिर मस्क ऊपर आ जाते हैं। 26 मार्च को ही बेजोस एक बार फिर मस्क को पटखनी देते हुए यूएस के सबसे अमीर और दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन जाते हैं।

## अडाणी गुजरात में 10 लाख टन क्षमता का संयंत्र लगाएगी

**नई दिल्ली ।**

अडाणी समूह ने गुजरात के मुंद्रा में अपने पहले तांबा संयंत्र शुरू करने की घोषणा की है। अडाणी एंटरप्राइजेज दो चरणों में 10 लाख टन क्षमता का संयंत्र लगा रही है।

बयान के अनुसार पहले चरण में करीब 1.2 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। यह धातु उद्योग में अडाणी समूह की शुरुआत का प्रतीक है। कंपनी ने कहा कि ग्रीनफील्ड इकाई की सफल प्रगति अडाणी समूह की बड़े पैमाने की परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने की क्षमता को दर्शाती है। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा कि कच्छ कॉपर (तांबा संयंत्र) का परिचालन शुरू होने के साथ अडाणी समूह न केवल धातु क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है, बल्कि भारत को एक स्थायी तथा आत्मनिर्भर भविष्य की ओर ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी, भव्य-आकार की परियोजना को पूरा करने की हमारी गति भारत को वैश्विक तांबा क्षेत्र में अग्रणी बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। हमारा मानना है कि घरेलू तांबा उद्योग परिपक्व पर्यावरणीय प्रबंधन के साथ हमारे हरित बुनियादी ढांचे को मजबूत करके 2070 तक हमारे देश के कार्बन तटस्थता के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। चालू होने पर हमारा आधुनिक स्मेल्टर नवीन हरित प्रौद्योगिकी पर अधिक जोर देने के साथ, तांबे के उत्पादन में नए मानक स्थापित करेगा। कच्छ कॉपर दूसरा चरण पूरा होने पर 10 लाख टन वार्षिक क्षमता के साथ, दुनिया का सबसे बड़ा एकल-स्थान कस्टम स्मेल्टर होगा। इससे रोजगार के 2,000 प्रत्यक्ष तथा 5,000 अप्रत्यक्ष अवसर उत्पन्न होंगे।

## मारुति सुजुकी दिग्गज भारतीय कंपनियों के ग्रुप में शामिल

MARUTI SUZUKI

**नई दिल्ली ।**

देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी दिग्गज भारतीय कंपनियों के समूह में शामिल हो गई है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने 27 मार्च को 4 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप का माइलस्टोन छू लिया है। ऐसा करने वाली वह देश की 19वीं लिस्टेड कंपनी बन गई है। साल 2024 में मारुति सुजुकी के शेयर 23 फीसदी ऊपर जा चुके हैं। अब मारुति सुजुकी रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल और एसबीआई जैसी दिग्गज कंपनियों के ग्रुप में शामिल हो गई है। हाल ही में मारुति सुजुकी की मार्केट वैल्यू अपनी पैरेंट कंपनी जापान की सुजुकी मोटर कॉर्प से दोगुनी हो गई थी। बुधवार को कारोबार के दौरान दोपहर 12.30 बजे बीएसई पर कंपनी के स्टॉक ने 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर 12,724,95 रुपए का आंकड़ा छू लिया था। यह एक दिन पहले के आंकड़े से 4 फीसदी ऊपर चला गया था। शाम को इसके शेयर 2.40 फीसदी ऊपर जाकर 12,550 रुपए पर बंद हुए। इसके साथ ही कंपनी ने 4 लाख करोड़ रुपए की मार्केट वैल्यू हासिल कर ली थी।

इससे पहले रिलायंस, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, एलआईसी, एचयूएल, आईटीसी, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, अडानी एनर्जी, अडानी ग्रीन, एचसीएल टेक, अडानी इंटरप्राइजेज, कोटक महिंद्रा बैंक और अडानी टोटल गैस ने यह माइलस्टोन हासिल किया है।

# आरसीबी और केकेआर के बीच होगा कड़ा मुकाबला

ROYAL CHALLENGERS
Knight Riders
IPL
TATA

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बीच यहां के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में कड़ा मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। दोनो ही टीमों ने अब तक एक-एक मैच जीता है जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। फाफ डु प्लेसी की कप्तानी में आरसीबी ने पिछले मैच में पंजाब किंग्स को चार विकेट से जबकि श्रेयस अय्यर की कप्तानी में केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार रनों से हराया था। दोनों ही टीमें अपने शीर्ष और मध्य क्रम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण मुश्किलों में हैं। इस मैच में दोनो ही टीमें जमकर रन बना सकती हैं। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच सपाट और बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी जाती है। इसमें नई गेंद से तेज गेंदबाजों को लाभ मिलता है। इसके पावरप्ले में बल्लेबाज जमकर शॉट्स खेलते हैं। वहीं धीमें गेंदबाज यहां हमेशा महगें साबित हुए हैं। इसमें छोटी बाउंड्री से चौके-छक्के ज्यादा लगते रहे हैं। इसको ध्यान में रखते हुए गेंदबाज गति में बदलाव कर बल्लेबाजों को मुश्किल में डाल देते हैं। पिछले मैच में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अर्धशतक लगाया था जिससे आरसीबी की टीम उत्साहित है। टीम को कप्तान फाफ डुप्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरन ग्रीन और रजत पाटीदार से भी अच्छी पारी की उम्मीदें हैं। वहीं केकेआर के पास शीर्ष और मध्यक्रम में कप्तान श्रेयस अय्यर , वेंकटेश अय्यर, सुनील नरेन और नीतिश राणा जैसे खिलाड़ी हैं जो ईडन गार्डंस पर सनराइजर्स के खिलाफ रन नहीं बना पाये थे। अब इन खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वहीं रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल ने छठे, सातवें और आठवें नंबर पर उतरकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था। केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर पिछले मैच में शून्य पर ही आउट हो गये थे और अब इस मैच में वह भी रन बनाने के इरादे से उतरेंगे। चिन्नास्वामी स्टेडियम में श्रेयस का पिछला प्रदर्शन अच्छा रहा है। पिछले साल विश्व कप में उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ नाबाद 128 और दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टी-20 में 53 रन बनाए थे। वहीं गेंदबाजी में पिछले मैच में युवा नदीम ने 19 रन देकर एक विकेट लिया था पर मिचेल स्टार्क और वरूण चक्रवर्ती विफल रहे थे। आरसीबी की ओर से पिछले मैच में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और यश दयाल ने अच्छी गेंदबाजी की थी पर अन्य गेंदबाज विफल रहे। अब उन्हें भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी की बल्लेबाजी डु प्लेसी के अलावा विराट और मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी जबकि केकेआर की बल्लेबाजी श्रेयस के अलावा नीतिश राणा, मनीष पांडे और रिंकू सिंह जैसे बल्लेबाजों पर आधारित रहेगी।

### टीम

**आरसीबी टीम :** फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशाक, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्जारी जोसफ, यश दयाल, टॉम करन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

**केकेआर टीम :** श्रेयस अय्यर (कप्तान), नीतिश राणा, मनीष पांडे, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, शाकिब अल हसन, अनुकूल रॉय, वेंकटेश अय्यर, शेरफाने रदरफोर्ड, अंगकृष रघुवंशी, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, केएस भरत, फिल साल्ट, रहमानुल्लाह गुरबाज, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, दुष्मंता चामीरा, वरूण चक्रवर्ती, मिचेल स्टार्क, मुजीब उर रहमान, हर्षित राणा, सुयश शर्मा।

# श्रीजेश एफआईएच एथलीट समिति के सह अध्यक्ष बने, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने पी आर श्रीजेश को एफआईएच एथलीट समिति का सह अध्यक्ष बनने पर बधाई देते हुए कहा कि वह साथी खिलाड़ियों की बेहतरी में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने बुधवार को नई एथलीट समिति का ऐलान किया जिसके अध्यक्ष श्रीजेश और चिली महिला हॉकी टीम की डिफेंडर कामिला काराम होंगी। काराम को कार्यकारी बोर्ड में एथलीट समिति का प्रतिनिधि और सह अध्यक्ष बनाया गया है जबकि श्रीजेश सह अध्यक्ष होने के साथ नियोजन और बैठकों में अगुवाई करेंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'यह देखकर अच्छा लगा कि पी आर श्रीजेश को एफआईएच में ऐसी भूमिका मिली है जो हॉकी खिलाड़ियों के जीवन को सीधे प्रभावित कर सकती है। उनके पास अपार अनुभव है और खिलाड़ियों की बेहतरी के लिए वह बहुत कुछ कर सकते हैं।' एफआईएच एथलीट समिति सलाहकार ईकाई है जो एफआईएच कार्यकारी बोर्ड, समितियों, सलाहकार पेनल और अन्य ईकाइयों को सलाह देती है। उनका काम खिलाड़ियों की ओर से एफआईएच को फीडबैक देने के साथ खिलाड़ियों के लिए संसाधनों और नई पहल का विकास करना है।

# सूर्यकुमार जल्द मुंबई इंडियन्स की ओर से करेंगे वापसी, बीसीसीआई सूत्र ने फिटनेस पर दी जानकारी

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी से पूरी तरह नहीं उबर पाए हैं और आईपीएल के कुछ और मैचों में नहीं खेल पाएंगे। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) उनकी प्रगति पर नजर रखे हुए है। मुंबई इंडियन्स के लिए खेलने वाले सूर्यकुमार मौजूदा सत्र में अब तक कोई मैच नहीं खेल पाए हैं और उनकी टीम को दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र ने कहा, 'सूर्या (सूर्यकुमार) काफी अच्छी प्रगति कर रहा है और काफी जल्द मुंबई इंडियन्स की ओर से वापसी करेगा। शुरुआती दो मैच में नहीं खेल पाने के बाद हालांकि उसे कुछ और मुकाबलों से बाहर रहना पड़ सकता है।' मुंबई इंडियन्स को सूर्यकुमार की कमी खल रही है लेकिन बीसीसीआई इस आक्रामक बल्लेबाज की फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता क्योंकि जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप में उनके बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीद है। सूत्र ने कहा, 'बीसीसीआई के लिए मुख्य चिंता यह है कि वह टी20 विश्व कप में खेलने की राह पर हैं या नहीं और वह इस स्थिति में है।' मैदान के चारों तरफ शॉट खेलने की क्षमता के लिए 33 साल के सूर्यकुमार की तुलना कई बार दक्षिण अफ्रीका के संन्यास ले चुके दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स से होती है। उन्होंने इस प्रारूप में 171.55 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। सूर्यकुमार ने भारत के लिए 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में चार शतक की मदद से 2141 रन बनाए हैं।

# क्लासेन ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पर पहुंचे

### -पर्पल कैप के लिए मुस्ताफिजुर का दावा

**हैदराबाद (एजेंसी)।** आईपीएल 2024 में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हेनरिच क्लासेन ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आक्रामक पारी खेलकर ऑरेंज कैप पर अपना दावा मजबूत कर लिया है। क्लासेन की पारी की सहायता से सनराइजर्स ने इस मैच में आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाकर पांच बार की खिताब विजेता मुम्बई इंडियंस का हराया। क्लासेन अब इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। इस प्राकर उन्होंने ऑरेंज कैप की दौड़ में आरसीबी के विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है।

क्लासेन ने अपनी पारी के दौरान 34 गेंदों पर 4 चौकों और 7 छक्कों की मदद से नाबाद 80 रन बनाए। इस दौरान उनकी स्ट्राइक रेट 235.29 रन रहा। इस पारी के बल पर क्लासेन इस आईपीएल में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। क्लासेन के अब 2 मैचों में 143 रन हो गए हैं। वहीं आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली के 2 मैचों में 98 रन हैं और वह दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं। इस सूची में तीसरे नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा हैं। अभिषेक ने 2 मैचों में 95 रन बनाए हैं। वहीं मुम्बई के तिलक वर्मा 89 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं जबकि सैम करेन 86 रन के साथ पांचवें नंबर हैं।

वहीं गेंदबाजों की बात करें तो चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेल रहे बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान पहले नंबर पर होने के साथ ही पर्पल कैप की दौड़ में नंबर एक पर हैं। मुस्ताफिजुर ने 2 मैचों में सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए हैं। वहीं 11 गेंदबाजों के एक समान 3 विकेट हैं पर लेकिन बेहतर इकॉनोमी रेट की वजह से पंजाब किंग्स के गेंदबाज हरप्रीत बरार दूसरे नंबर पर हैं। सनराइजर्स के तेज गेंदबाज टीम नटराजन तीसरे जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स के हर्षित राणा चौथे व मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह पांचवें नंबर पर हैं।

# मफाका सबसे कम उम्र में आईपीएल खेलने वाले विदेशी खिलाड़ी बने

हैदराबाद । मुम्बई इंडियंस की ओर से खेल रहे दक्षिण अफ्रीका के युवा तेज गेंदबाज क्वेना मफाका सबसे कम उम्र में आईपीएल खेलने वाले विदेशी खिलाड़ी बन गये हैं। मफाका इस मैच में प्रभावित नहीं कर पाये और उनकी गेंदों की जमकर पिटाई हुई। हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने मफाका के दूसरे ही ओवर में 22 रन बना दिये। हेड ने इस गेंदबाज के खिलाफ दो छक्के और दो चौके लगाये। मफाका से पहले आईपीएल डेब्यू करने वाले सबसे युवा विदेशी खिलाड़ी बांग्लादेश के मुजीब उर रहमान थे। मुजीब ने 17 वर्ष, 11 दिन की उम्र में पहली बार आईपीएल खेला था। मफाका ने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है पर इस 17 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अंडर 19 विश्व कप में 9.71 की औसत से 21 विकेट लिए थे और उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। इसके अलावा इस गेंदबाज के नाम अंडर- 19 विश्व कप के एक संस्करण में सबसे अधिक तीन बार 5 विकेट लेने का भी रिकार्ड है।

# सनराइजर्स के लिए सबसे तेज अर्धशतक लगाकर बोले अभिषेक शर्मा- आउट होने के बाद मुझे पता चला

Punch.ev
TATA NEU
RuPay
MY11CIRCL

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा है कि मुंबई के खिलाफ रिकॉर्डतोड़ बल्लेबाजी प्रदर्शन के पीछे टीम प्रबंधन का खुलकर खेलने का संदेश था। सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने रिकॉर्ड की झड़ी लगाते हुए मुंबई के खिलाफ आईपीएल का सर्वोच्च स्कोर तीन विकेट पर 277 रन बनाक 31 रन से जीत दर्ज की। ट्रेविस हेड ने 24 गेंद में 62 और शर्मा ने 23 गेंद में 63 रन बनाए जबकि हेनरिच क्लासेन ने 34 गेंद में नाबाद 80 रन की पारी खेली। इससे पहले आईपीएल का सर्वोच्च स्कोर पांच विकेट पर 263 रन था जो 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने बनाया था। शर्मा ने कहा, 'मुझे अहसास ही नहीं हुआ कि यह सनराइजर्स के लिए सबसे तेज अर्धशतक था। मैं सिर्फ खुलकर खेलना चाहता था और आउट होने के बाद ही मुझे यह पता चला। मुझे काफी मजा आया।' उन्होंने कहा, 'मैच से पहले टीम बैठक में बल्लेबाजों के लिए सीधा और साफ संदेश था कि मैदान पर उतरकर खुलकर खेलो। यह काफी सकारात्मक संदेश था जो कप्तान और कोच से मिला था। इससे सभी बल्लेबाजों को मदद मिली।' ट्रेविस और शर्मा ने सिर्फ 22 गेंद में 68 रन की साझेदारी की। उन्होंने कहा, 'ट्रेविस मेरे पसंदीदा बल्लेबाजों में से है और उनके साथ बल्लेबाजी करके काफी मजा आया।'

# मैड्रिड स्पेन मास्टर्स 2024: पीवी सिंधु का बेहतरीन प्रदर्शन, क्वार्टर फाइनल में की एंट्री

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने मैड्रिड स्पेन मास्टर्स में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को यहां चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन पर सीधे गेम में आसान जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस मुकाबले में पूरी तरह से सिंधू का दबदबा दिखा जिन्हें विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज ताइवान की क्वालीफायर खिलाड़ी से कोई चुनौती नहीं मिली।

पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू ने 36 मिनट तक चले मैच को 21-14, 21-12 से अपने नाम किया। पिछले सत्र की उपविजेता सिंधू के सामने अब थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त सुपानिदा केटथोंग या जापान की नात्सुकी निदाइरा में से किसी एक की चुनौती होगी। सिंधू ने शुरुआती गेम में 3-0 की बढ़त बनायी लेकिन इसके बाद उन्होंने कुछ समय के लिए लय गंवा दी। वह लगातार शटल को नेट पर खेल रही थी जिससे उनकी बढ़त घट कर 7-6 हो गयी।

भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि इसके बाद अपने खेल के स्तर को ऊंचा किया और प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी की गलतियों का फायदा उठाते हुए अपनी बढ़त को 18-12 करने में सफल रही। सिंधू ने इसके बाद आठ गेम प्वाइंट हासिल किये और तीसरे प्रयास में उसे भुना कर पहला गेम जीत लिया। छोर बदलने के बाद भी यू-हसुन का संघर्ष जारी रही। उनके पास सिंधू के ताकतवर प्रहार का कोई जवाब नहीं था। ताइवान की यह खिलाड़ी बार-बार शटल को कोर्ट के बाहर खेल रही थी। उन्होंने 'ड्रॉप शॉट' और 'प्लेसमेंट' का इस्तेमाल किया लेकिन स्मैश में कोई ताकत नहीं होने से सिंधू को परेशान नहीं कर सकीं।

इस गेम में सिंधू ने आठ मैच प्वाइंट हासिल किये और यू-हसुन के शटल को नेट पर खेलने के साथ ही मुकाबला जीत लिया। पिछले दो सप्ताह में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप और स्विस ओपन में खिताब जीतने वाली शीर्ष वरीयता प्राप्त स्पेन की कैरोलिना मारिन के टूर्नामेंट से हटने के बाद सिंधू इस प्रतियोगिता में चैम्पियन बनने की मजबूत दावेदार हैं। सिंधू ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर अपना पिछला खिताब 2022 सिंगापुर ओपन सुपर 500 में जीता था।

# बुमराह को शुरुआत में गेंदबाजी नहीं दिये जाने से हैरान हैं स्मिथ

### -पांड्या के रवैये पर सवाल उठाये

**हैदराबाद (एजेंसी)।** (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को देर से ओवर दिये जाने के लिए टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या की आलोचना की है। स्मिथ ने कहा कि वह इससे हैरान हैं और समझ नहीं पा रहे हैं कि पांड्या ने इस प्रकार का फैसला कैसे किया। उन्होंने कहा कि 13वें ओवर तक बुमराह जैसे मुख्य गेंदबाज को केवल एक ओवर ही दिया जाना हैरान करने वाला है।

स्मिथ ने बताया, मैं मुंबई के लिए पहली पारी में उनके गेंदबाजी में कुछ बदलावों से हैरान था। चौथे ओवर में बुमराह ने गेंदबाजी की, उन्होंने 5 रन दिए और फिर हमने उन्हें 13वें ओवर तक दोबारा नहीं देखा, जब वे 173 रन पर थे। तब तक सनराइजर्स को बढ़त मिल गयी थी। शुरुआत में ही अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों को लगाने की जरूरत थी पर ऐसा नहीं किया गया।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पांड्या ने कुछ फैसले गलत लिए। मेरा कहना है कि आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक को एक ओवर ही गेंदबाजी करने के लिए नहीं कह सकते। स्मिथ ने कहा कि बुमराह को देर से आक्रमण पर दोबारा शामिल किया गया पर तब तक बल्लेबाजों के लय में आने से वह प्रभावहीन हो गए। उन्होंने कहा, जब गेंद इस तरह घूम रही होती है, तो आपको अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज को अपनी इच्छा से पहले वापस लाना होता है। यह बस चलते-फिरते खुद को ढालने के बारे में है और मैं 15वें, 16वें ओवर तक बुमराह के ओवर खत्म कर चुका होता कुछ विकेट लेने की कोशिश करें, अगर उसे विकेट मिलते हैं, तो आप वैसे भी गति धीमी कर देते हैं।

# आईपीएल उद्घाटन समारोह को रिकार्ड संख्या में दर्शकों ने देखा

मुंबई । आईपीएल की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 17वें सत्र के पहले दिन उद्घाटन समारोह और मैच को रिकॉर्ड 16 करोड़ 80 लाख लोगों ने देखा। आईपीएल के पहले दिन के खेल का 'वाचटाइम (देखने का समय) 1276 करोड़ मिनट रहा जो किसी भी सत्र में पहले दिन का एक रिकॉर्ड है। इससे पहले के सत्रों में कभी भी पहले दिन इतनी बड़ी तादाद में प्रशंसक नहीं थे। इसके साथ ही आईपीएल के 17वें सत्र में पहले दिन डिजनी स्टार नेटवर्क पर छह करोड़ से अधिक लोगों ने मैच देखा। वहीं गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को छह विकेट से हराया था। प्रसारणकर्ता कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, 'यह बड़ी उपलब्धि है जो दर्शकों के इस खेल के प्रति प्यार के कारण ही संभव हो पायी है। हम अपने सभी साझेदारों और बीसीसीआई के साथ ही टूर्नामेंट के प्रायोजक टाटा आईपीएल के प्रति आभार प्रकट करते हैं।

# हनुमा की मुश्यिलें बढ़ीं, एसीए ने नोटिस दिया

बेंगलुरू । बल्लेबाज हनुमा विहारी की मुश्किलें बढ़ सकती है। आंध्र क्रिकेट संघ (एसीए) ने हनुमा के गत माह दिये विवादास्पद बयान के लिए उन्हें नोटिस जारी किया था जिसका उन्होंने अभी तक जवाब नहीं दिया है। हनुमा ने तब एसीए की आलोचना करते हुए कहा था कि उन्हें गलत तरीके से कप्तानी से हटा दिया गया था।

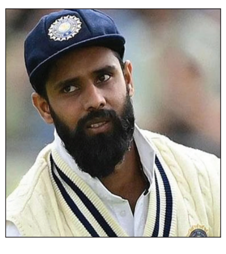

हनुमा ने ये भी कहा था कि अब वह कभी भी आंध्र की ओर से नहीं खेलेंगे। इसके बाद एसीए की शीर्ष परिषद की बैठक में ये मामला उठा था और हनूमा को नोटिस जारी किया गया था जिसका उन्होंने अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। एसीए के एक अधिकारी ने बताया, 'हमने कुछ दिन पहले उसे नोटिस जारी किया है और जवाब का इंतजार है। उन्होंने कहा, 'हम केवल यह जानना चाहते हैं कि उन्होंने ऐसी प्रतिक्रिया किस कारण से दी थी। उन्होंने हमसे संपर्क नहीं किया। उनके पास अपनी बात कहने का ये अवसर है। हम प्रदेश क्रिकेट के विकास में उनके योगदान की सराहना करते हैं। वहीं रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में मध्यप्रदेश के खिलाफ आंध्र की हार के बाद इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि बंगाल के खिलाफ पहले मैच के बाद ही उसके कप्तानी से हटा दिया गया था। उस समय उन्होंने हालांकि कहा था कि निजी कारणों से उन्होंने यह फैसला लिया है। वहीं सोशल मीडिया में इस क्रिकेटर ने लिखा था कि एक स्थानीय नेता के बेटे को उन्होंने फटकारा था इसी कारण उन्हें कप्तानी से हटाया गया था।

# ऑस्ट्रेलिया ने 2024-25 के लिए राष्ट्रीय अनुबंध की घोषणा की, कई बड़े खिलाड़ी हुए बाहर

**मेलबर्न (एजेंसी)।** क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2024-25 के लिए केंद्रीय अनुबंधित पुरुष खिलाड़ियों के 23 सदस्यीय समूह की घोषणा की जिसमें अनुभवी ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस, स्पिनर एश्टन एगर के साथ सलामी बल्लेबाज मार्कस हैरिस, तेज गेंदबाज माइकल नेसर सूची में शामिल नहीं हैं।

स्टोइनिस हाल के दिनों में पीठ की चोटों से जूझ रहे हैं और पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के न्यूजीलैंड टी20 दौरे से चूक गए थे। उन्होंने कोच जस्टिन लैंगर के नेतृत्व में आईपीएल 2024 के ओपनर के रूप में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के लिए वापसी की और नंबर 7 पर बल्लेबाजी करते हुए मात्र 3 रन बनाए जबकि गेंदबाजी नहीं की। इस बीच एगर ने पिछले सितंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है, जहां मार्नस लाबुशेन के साथ मैच जिताने वाली साझेदारी के दौरान उन्हें पिंडली में चोट लग गई थी।

अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को इसमें जगह नहीं मिली है क्योंकि उन्होंने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। अनुबंध सूची में अपग्रेड होने के बाद ऑलराउंडर मैट शॉर्ट और आरोन हार्डी और तेज गेंदबाज नाथन एलिस को नए खिलाड़ी हैं। युवा दाएं हाथ के जेवियर बार्टलेट ने भी इस साल की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ गेंद से प्रभावित करने के बाद पूर्णकालिक अनुबंध हासिल किया।

शॉर्ट ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना टी20 डेब्यू किया और 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय और चार एकदिवसीय मैच खेले। इसी तरह हार्डी ने डरबन में उसी खेल में 7 टी20आई और चार एकदिवसीय मैच खेलकर अपना ऑस्ट्रेलियाई पदार्पण किया। बार्टलेट ने बिग बैश लीग और क्वींसलैंड के लिए प्रभावित किया है और इस साल की शुरुआत में वेस्टइंडीज के साथ खेलने वाली ऑस्ट्रेलियाई टी20 और एकदिवसीय टीमों में जगह बनाई है। उन्होंने मेलबर्न में पदार्पण पर 4-17 के साथ शानदार प्रदर्शन किया, फिर कैनबरा में 4-21 के साथ प्रभावित किया।

राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के पुरुष अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, 'मैट, आरोन और जेवियर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के शुरुआती दौर में बेहद प्रभावशाली रहे हैं। उनका प्रदर्शन और जिस तरह से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच को अपनाया है, वह देखना रोमांचक रहा है। पैनल का मानना ??है कि उनके पास मजबूत भविष्य है और वे अपने अनुबंध के हकदार हैं क्योंकि वे ऑस्ट्रेलियाई सेटअप में नियमित बनने के प्रयास में काम करते हैं।'

बेली ने कहा कि स्टोइनिस, एगर और नेसर राष्ट्रीय चयन के लिए फ्रेम में बने हुए हैं और अभी भी हैं। अगले साल के लिए अपने राष्ट्रीय अनुबंध खोने के बावजूद जून में ऑस्ट्रेलिया के टी20 विश्व कप में भूमिका निभाने का अनुमान है। बेली ने कहा, 'हम अप्रैल के अंत में एक टीम तैयार करने के लिए एक साथ आएंगे और 'स्टोइन' और एश एगर दोनों टीम में मजबूती से शामिल होंगे।'

SMITH
49
MARSH
8
38

### क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुबंधित पुरुष खिलाड़ी 2024-25

सीन एबॉट, जेवियर बार्लेट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स केरी, पैट कमिंस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन , मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मॉरिस, टॉड मर्फी, झाय रिचर्डसन, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, एडम जम्पा

# टेबल टेनिस खिलाड़ी पोयमंती की सहायता करेगा अदाणी समूह

अहमदाबाद। युवा महिला टेबल टेनिस स्टार पोयमंती बैस्या की सहायता के लिए अदाणी समूह सामने आया है। अडानी समूह ने अपनी गर्व है पहल के तहत पोयमंती को समर्थन देने की घोषणा की है। इस कारोबारी समूह का कहना है कि पोयमंती में शीर्ष स्तर पर पहुंचने की क्षमताएं हैं और उसे इसके लिए सभी प्रकार की सहायता उपलब्ध करायी जाएगी। पश्चिम बंगाल के हुगली की रहने वाली पोयमंती ने अपने अब तक के करियर में शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया है। 2019 में वेस्ट जोन राष्ट्रीय रैंकिंग टूर्नामेंट में चैम्पियन रही पोयमंती ने 85वें सीनियर नेशनल में अयहिका मुखर्जी को हराकर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप जीती थी। इसके अलावा, उन्होंने ओलंपियन सुतीर्था मुखर्जी के साथ महिला युगल में भी जीत दर्ज की थी। इसके अलावा वह मिश्रित युगल स्पर्धा में आकाश पाल के साथ उपविजेता रहीं थीं।

# कैंसर से लड़ेंगी प्रतिरोधी कोशिकाएं

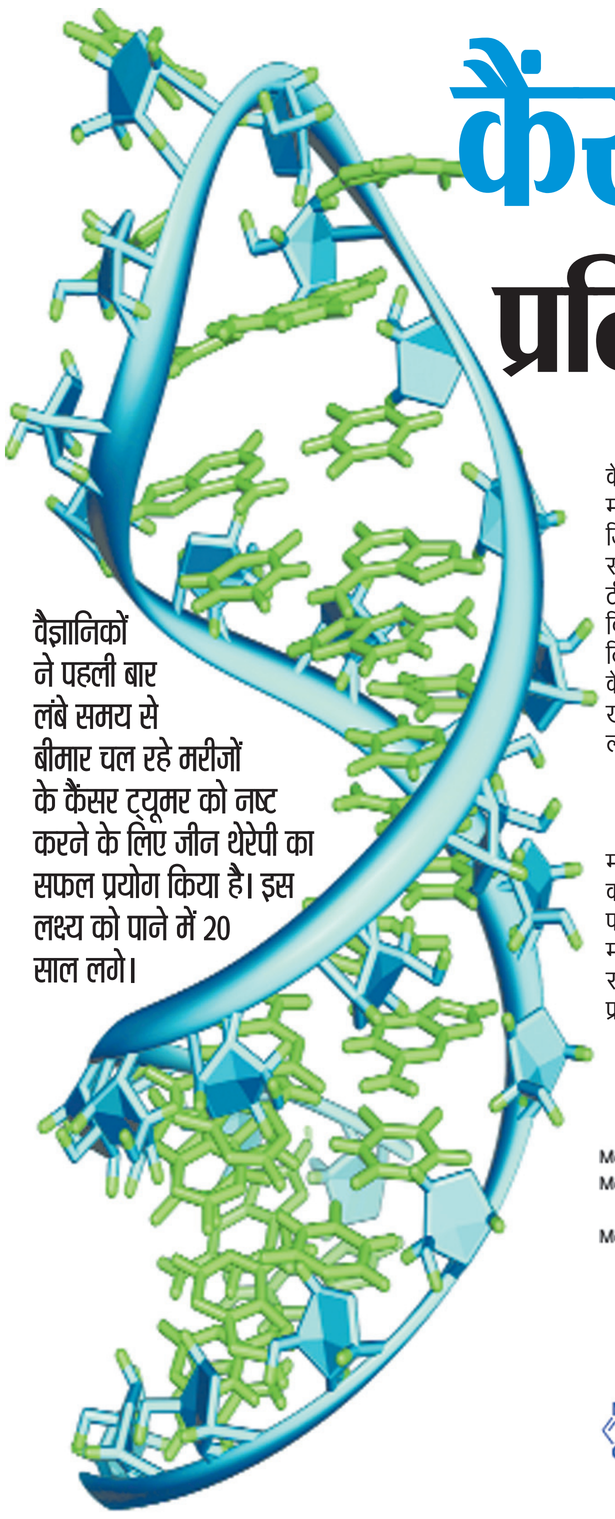

**वैज्ञानिकों ने पहली बार लंबे समय से बीमार चल रहे मरीजों के कैंसर ट्यूमर को नष्ट करने के लिए जीन थेरेपी का सफल प्रयोग किया है। इस लक्ष्य को पाने में 20 साल लगे।**

**अमेरिका** में पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पैथोजन से लड़ने वाले मरीजों की अपनी टी कोशिकाएं बनाईं, जिसका लक्ष्य ल्यूकिमिया कोशिकाओं की सतह पर मिले कणों से लड़ना था। बदली हुई टी कोशिकाओं को शरीर के बाहर विकसित किया गया और उसके बाद क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया से बीमार मरीजों के शरीर में वापस डाला गया। यह बीमारी खून और बोन मैरो को प्रभावित करती है और ल्यूकिमिया का बहुत आम रूप है।

## परीक्षण का पहला चरण

नई थेरेपी की मदद से कैंसर के तीन मरीजों को जीवनदान मिला। इसने प्रतिरक्षी कोशिकाओं को ट्यूमर किलर में बदल दिया। पहले चरण के ट्रायल में भाग लेने वाले दो मरीजों की हालत पिछले एक साल से सुधर रही है। तीसरे मरीज के शरीर ने अच्छी प्रतिक्रिया दी है और उसका कैंसर नियंत्रण में है। अगला बड़ा चरण शुरू करने से पहले शोधकर्ता क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया के शिकार चार और मरीजों का उपचार करना चाहते हैं।

7

8

## विकास के दौर में

ट्रायल के नतीजों ने वैज्ञानिकों को हैरत में डाला, हालांकि जीन थेरेपी अभी भी विकास के दौर में है। पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के पेरेलमन मेडिसीन स्कूल के डॉ. माइकल कैलोस के अनुसार हमने टी-सेल की सतह पर एक कुंजी डाली, जो उस ताले के साथ फिट बैठती है, जो सिर्फ कैंसर की सेलों में होता है। इलाज के नतीजे दूसरे प्रकार के कैंसरों के इलाज का भी रास्ता सुझाते हैं। इसमें फेफड़े और अंडाशय का कैंसर भी शामिल है। शोध के नतीजे न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसीन और साइंस ट्रांसलेशनल मेडिसीन पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए हैं। कैलोस ने कहा है कि एडॉप्टिव टी-सेल ट्रांसफर के नाम से जाने, जाने वाले पिछले प्रयास या तो इसलिए विफल हो गए कि टी-सेलों की प्रतिक्रिया बहुत कमजोर थी या फिर इसलिए कि वे सामान्य ऊतकों के लिए अत्यंत विषैले थे।

## कैंसर इलाज की नई तकनीक

यह तकनीक कैंसर के इलाज की दूसरी तकनीकों से अलग है। यह ट्यूमर का मुकाबला करने के लिए शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को काम में लाती है। अब आप इम्यून रेस्पांस करवाने की कोशिश छोड़िए, हम आपको इम्यून रेस्पांस दे रहे हैं।

इलाज की नई प्रणाली सुरक्षित मालूम होती है, लेकिन शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी और परीक्षण किए जाने की जरूरत है। पहले चरण के ट्रायल में ल्यूकिमिया के मरीजों को प्रतिरक्षा बढ़ाने वाली दवा दी गई, क्योंकि लक्षित अणु सीडी 19 सामान्य प्रतिरक्षा सेलों पर भी होता है। जीन थेरेपी के लिए शोधकर्ताओं ने एक वायरस का इस्तेमाल किया, जो कोशिकाओं को सिर्फ एक बार संक्रमित कर सकता है। लगभग दो सप्ताह बाद मरीजों ने ट्यूमर लाइसिसि सिंड्रोम का अनुभव करना शुरू किया। इसमें कंपकंपी, मितली और बुखार के लक्षण दिखाई देते हैं, जो कैंसर की मरती कोशिकाओं से पैदा होने वाले उत्पादों के कारण पैदा होते हैं।

## नए टी-सेल

नए विकसित टी-सेल बाद के कई महीने तक मरीजों के खून में पाए गए। उनका एक हिस्सा मेमोरी सेलों में बदल गया, जो कैंसर के फिर से होने से सुरक्षा कर सकता है। पोर्टलैंड ओरेगन के कैंसर सेंटर के डॉ. वाल्टर ऊरबा चेतावनी देते हैं कि सक्रिय टी-सेलों और मेमोरी सेलों की उपस्थिति दूसरे प्रकार के कैंसरों के लिए समस्या पैदा कर सकती है, जहां सामान्य कोशिकाओं पर विषैला असर और गंभीर हो सकता है। जीन थेरेपी के ट्रायल पर सारा खर्च शैक्षणिक समुदाय से आया है।

---

# फेफड़ों के कैंसर को रोकेगी जालकोरी

फेफड़ों के कैंसर की नई दवा जालकोरी उपयोगी साबित होगी। अमेरिका के औषधि प्रशासन विभाग ने गोली को मंजूरी दे दी है।

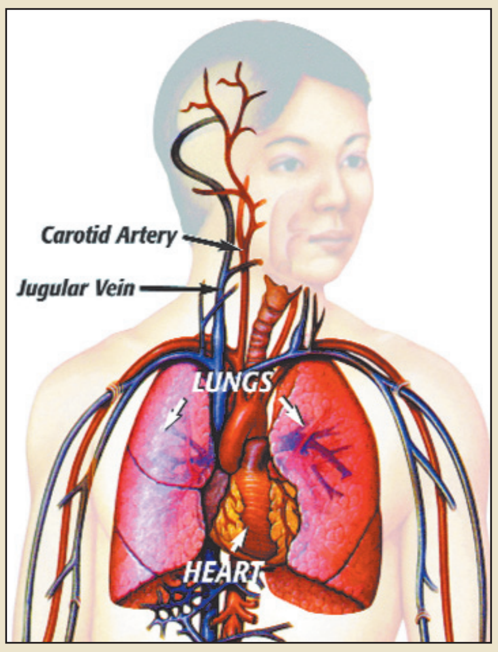

अमेरिका के खाद्य एवं औषध प्रशासन ने फेफड़ों के कैंसर से बचाव करने और ट्यूमर के विकास को रोकने वाली दवा को मंजूरी दी है। जालकोरी नामक यह गोली जीन पर हमला कर उपचार करती है। प्रमुख दवा कंपनी फाइजर द्वारा निर्मित जालकोरी नामक यह गोली कैंसर पीड़ितों के शरीर में जीन पर हमला कर उपचार करती है। इससे उन कैंसर मरीजों का इलाज संभव होगा, जिनके शरीर में एक असाधरण जीन मौजूद होती है, जिससे कैंसर कोशिकाएं बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर विकसित होता रहता है। येल विश्वविद्यालय में कैंसर चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. रॉय हर्बस्ट का कहना है यह एक आणविक चिकित्सा का उदाहरण है। अब ऐसी थेरेपी विकसित हो चुकी है, जो कीमोथेरेपी से भी बेहतर है और ट्यूमर को खत्म करने में सहायक सिद्ध हो सकती है। खाद्य एवं औषध प्रशासन (एफडीए) का कहना है कि करीब तीन चौथाई रोगियों की जांच ट्यूमर विकसित होने के बाद हो पाती है। साथ ही इनमें से मात्र छह प्रतिशत लोग पांच साल तक जीवित रह पाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जालकोरी फाइजर के लिए एक ब्लॉकबस्टर उत्पाद सिद्ध हो सकता है। पिछले हफ्ते खाद्य एवं औषध प्रशासन ने एक और ऐसी दवा को मंजूरी दी है, जो जीन में परिवर्तन कर कैंसर का इलाज करती है।

---

# बड़ी फिगर से खो सकती है याददाश्त

**अगर आपके फिगर की मोटाई अधिक है तो आप सावधान हो जाइये। इससे आपकी याददाश्त भी जा सकती है।**

एक नए शोध के अनुसार किसी महिला की फिगर उसकी याददाश्त को प्रभावित कर सकती है। अमेरिका में शोधकर्ताओं ने पाया कि बूढ़ी महिलाओं का वजन अधिक हो तो उनकी याददाश्त कमजोर होती है, लेकिन अगर नितंबों का वजन अधिक है तो यह याददाश्त को बहुत अधिक प्रभावित करती है।

## अन्य बीमारियों का खतरा

विशेषज्ञों का मानना है कि कमर के आसपास वजन बढ़ने से कैंसर, डायबिटीज और दिल की बीमारियों के बढ़ने का खतरा रहता है। यह शोध जर्नल ऑफ द अमेरिकन गेरियाट्रिक्स सोसायटी में छपा है, जिसमें अच्छे दिमाग के लिए सही वजन होने की महत्ता बताई गई है।

## वजन घटने से खतरा कम

हालांकि शोध में यह भी कहा गया है कि अगर नितंबों का वजन बहुत अधिक न हो यानी थोड़ा सा ही अधिक हो तो इससे दिमाग की सुरक्षा भी होती है। शोधकर्ता मानते हैं कि महिलाओं में पेट के आसपास जमा होने वाली वसा ओस्ट्रोजन हार्मोन बनाती है, जिसका बनना मीनोपॉज के बाद कम हो जाता है। ओस्ट्रोजन हार्मोन दिमाग के लिए मददगार होती है। यह शोध 65 से 79 साल की 8,745 महिलाओं पर किया गया। इन महिलाओं की याददाश्त की परीक्षा ली गई। इनमें से अधिकतर महिलाओं का वजन अधिक था और उनके बॉडी मास इंडेक्स का भी माप लिया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जैसे जैसे बॉडी मास इंडेक्स बढ़ता है, वैसे वैसे उनकी याददाश्त कम होती जाती है। इस शोध में उन महिलाओं की याददाश्त सबसे खराब पाई गई, जिनकी कमर छोटी और नितंब बड़े पाए गए। शोधकर्ताओं के प्रमुख डॉ. डायना करविन का कहना था, हमें ये देखना होगा कि कौन सी वसा दिमाग को किस तरह प्रभावित करती है।

---

# नए सेल्स नहीं बनने देती रेडियेशन थेरेपी

**रेडियेशन थेरेपी कैंसर की चिकित्सा का एक तरीका है जिसमें आयोनाइजिंग रेडियेशन नामक कणों का इस्तेमाल कैंसर के सेल्स को क्षति पहुंचाने के लिए होता है।**

**आयोनाइजिंग** रेडियेशन कैंसर के सेल्स पर प्रहार करती है और उसके आनुवांशिक तत्व को नुकसान पहुंचा कर नए सेल्स को बनने नहीं देती । रेडियेशन थेरेपी के दौरान कैंसर के सेल्स के आसपास के सामान्य सेल्स को भी क्षति पहुंचती है लेकिन यह समय के साथ ठीक हो जाते हैं। रेडियेशन थेरेपी बाह्य रूप से एक्स रे बीम्स के रूप में गामा रेज या सब एटामिक पार्टिकल्स के रूप में दी जाती है। बाह्य रूप से रेडियेशन देने की प्रक्रिया में 5 से 15 मिनट लगते हैं और इसमें दर्द नहीं होता ।

## कुछ नए तरीके

चिकित्सा कितनी बार दी जानी है यह हर व्यक्ति के लिए अलग अलग होता है। कुछ स्थितियों में चिकित्सा में कई हफ्ते लग जाते हैं। आंतरिक रूप से भी रेडियेशन दिया जाता है। ऐसे में रेडियोऐक्टिव पदार्थों को शरीर की कैविटी के रख दिया जाता है या फिर ट्यूमर के सेल्स के अन्दर रखा जाता है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव को बढ़ाने के लिए अपनाये जाने वाले कुछ नए तरीके हैं -

- **कनफार्मल बीम तकनीक**: कई बीम से एक ही समय रेडियेशन भी ली जा सकती है। ऐसा करने से रेडियेशन ट्यूमर के सेल्स पर एकत्रित हो जाता है और सामान्य टिश्यूज को कम प्रभावित करता है।
- **इन्ट्राआपरेटिव रेडियेशन थेरेपी** : सर्जरी के दौरान ट्यूमर पर रेडियेशन दी जाती है।
- **रेडियेसेंसिटाइजर्स**: यह ड्रग्स कैंसर के सेल्स पर रेडियेशन के प्रभाव को बढ़ाते हैं।
- **रेडियोप्रोटेक्टर्स**: यह ड्रग्स सामान्य सेल्स को रेडियेशन के द्वारा हुई क्षति से बचाते हैं जबकि आसपास के कैंसर के सेल्स क्षतिग्रस्त हो चुके होते हैं।
- **रेडियोइम्यूनोथेरेपी**: रेडियोएक्टिव पदार्थ एण्टीबाडीज से जुड़े होते हैं जो कि रक्षात्मक रासायन होते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा बनाये जाते हैं। यह एण्टीबाडीज कैंसर के सेल्स को प्रभावित करते हैं । हमारे शरीर के एण्टीबाडीज नान कैंसरस, स्वस्थ सेल्स को प्रभावित नहीं करते हैं इसलिए इससे ट्यूमर के बाहर रेडियेशन से होने वाली क्षति का खतरा कम होता है ।

## रोग की चिकित्सा

बाह्य / एक्सटर्नल रेडियेशन थेरेपी शुरू करने से पहले रेडियेशन विशेषज्ञ चिकित्सा की योजना बनाता है। वह यह भी निर्धारित करता है कि मरीज़ को किस प्रकार की रेडियेशन और कितने सेशन देने हैं । आप शुरूआती सेशन में भाग ले सकते हैं। चिकित्सक सबसे पहले उस जगह पर निशान बनाता है जहां पर कि रेडियेशन चिकित्सा देनी होती है। चिकित्सकीय क्षेत्र पर निशान अंकित करने के लिए आजकल छोटे गोल्ड सीड्स का इस्तेमाल किया जाता है जिन्हें कि फिड्यूकल्स कहते हैं। एक चिकित्सकीय सेशन से दूसरे चिकित्सकीय सेशन में जाने के लिए ट्यूमर पर रेडियेशन की बीम देने पर ज्यादा सावधानी की आवश्यकता होती है। इससे रेडिसेशन के फैलने का खतरा और सामान्य सेल्स को क्षति पहुंचने का खतरा कम हो जाता है। चिकित्सा के दौरान मरीज को अस्पताल का गाउन पहनने की आवश्यकता होती है। रेडियेशन थेरेपी के कमरे में आपको या तो चिकित्सा की टेबल पर लेटना होता है या विशेष कुर्सी पर बैठना होता है। आपकी त्वचा पर बनाये निशान से चिकित्सक उस जगह को निर्धारित कर सकेगा जहां पर रेडियेशन देनी है और शरीर के दूसरे भागों पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ेगा। थेरेपी लेने के दौरान आपका एक ही स्थिति में पड़े रहना जरूरी है। इसी कारण से आपके शरीर को एक सांचे में रखा जाता है। एक बार जबकि आप चिकित्सा के लिए तैयार हो जाते हैं तो रेडियेशन आनकोलाजिस्ट कमरे से बाहर निकलकर पास के कंट्रोल रूम में चला जाता है । यहां से चिकित्सक ट्रीटमेंट मशीन का प्रयोग कर एक खास खिड़की से आपकी निगरानी करता है। रेडियेशन थेरेपी के दौरान आप चिकित्सकीय मशीन की आवाज़ सुन सकते हैं और यह मशीन आपके इर्द गिर्द घूमती है । यह चिकित्सा 1 से 5 मिनट तक होती है और इसमें किसी प्रकार का दर्द भी नहीं होता । ट्रीटमेंट के कमरे में आपको 5 से 15 मिनट तक का समय लगता है । सामान्यत: यह चिकित्सा एक हफ्ते से कई हफ्तों तक की जाती है । अगर आप आंतरिक रेडियेशन थेरेपी करा रहे हैं तो आपकी चिकितसा थोड़ा अलग तरीके से होती है।

## ब्रैकी थेरेपी

एक तरीका है ब्रैकीथेरेपी जिसे कि इन्टरस्टीशियल रेडियेशन थेरेपी भी कहते हैं । अगर आप यह प्रक्रिया करा रहे हैं तो आपको एनेस्थीसिया दिया जाता है तारों में मौजूद रेडियोएक्टिव पदार्थ या छोटे ट्यूब में पड़ा रेडियोएक्टिव पदार्थ मरीज के शरीर में ट्यूमर के स्थान पर सीधा आरोपित कर दिया जाता है। यह रेडियोएक्टिव आरोपण शरीर के अंदर रहता है या इसे कुछ समय बाद शरीर से निकाल दिया जाता है और यह बात भी कैंसर के प्रकार पर निर्भर करती है।

दूसरी प्रक्रिया जिसे कि इन्ट्राकैविटरी थेरेपी कहते हैं इसमें आपको जनरल या लोकल एनेस्थेटिक दिया जाता है और रेडियोएक्टिव पदार्थ को सीधा शरीर की कैविटी में आरोपित कर दिया जाता है। बाद में इसे निकाल भी दिया जाता है। पुराने समय से आज तक दोनों ही प्रकार की रेडियेशन थेरेपी में बदलाव आये हैं। जैसे कि रेडियेशन का स्रोत प्रोटोन भी हो सकते हैं। इस तकनीक में रेडियेशन बीम को सीधा मरीज पर केंद्रित किया जाता है। इससे अधिक मात्रा में रेडियेशन टिश्यूज तक पहुंच जाती है और यह सामान्य सेल्स को कम नुकसान पहुंचाती है ।

वितरण की नयी तकनीक को देखते हुए एक्स रे इमेजिंग तकनीक का प्रयोग भी विस्तार से हो रहा है । ऐसे दो तरीके हैं-

- **थ्री डाइमेंशनल कनफार्मल रेडियेशन और इन्टेंसिटी माड्यूलेटेड रेडियेशन** : इसका ध्येय है ट्यूमर सेल्स में रेडियेशन की सही मात्रा देना जिससे कि सामान्य सेल्स को किसी प्रकार की क्षति ना पहुंचे ।
- साइबरनाइफ थेरेपी अधिक मात्रा में रेडियेशन थेरेपी देती है और इसे छोटे अंतराल पर देना होता है। ऐसे में बहुत ही सटीक मात्रा में रेडियेशन की डोज देनी होती है। कुछ स्थितियों में रेडियेशन चिकित्सा में कुछ हफ्ते लग जाते हैं और बीमारी ठीक हो जाती है।

## बीमारी का पूर्वानुमान

चिकित्सक कुछ शरीरिक जांच, स्कैन, एक्स रे, रक्त जांच करके रेडियेशन थेरेपी का पता लगाने की कोशिश करेंगे । आपके निश्चित प्रकार की फोलो अप और जांच से यह पता चलेगा कि रेडियेशन थेरेपी की आवश्यकता है या नहीं । इस जांच से ट्यूमर की सथिति का पता चलेगा और यह भी पता चलेगा कि कैंसर कितना फैल चुका है। रेडियेशन थेरेपी के बहुत से दूसरे अतिरिक्त प्रभाव हैं जो कि शरीर के उस क्षेत्र पर निर्भर करते हैं जिनकी चिकित्सा की जानी है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव कुछ इस प्रकार से हो सकते हैं जैसे कि थकान होना, बालों का झड़ना, त्वचा के रंग में परिवर्तन, भूख ना लगना, उलटियां आना, इन्फर्टिलिटी, स्टेरिलिटी, वैजाइनल ड्राइनेस। रेडियेशन थेरेपी से दूसरे प्रकार के कैंसर का भी डर रहता है।

## संयुक्त राष्ट्र और सेव द चिल्ड्रेन की रिपोर्ट से खुलासा

### –इजराइल के लगातार हमले से गाजा के स्कूल पूरी तरह तबाह

### –इस कार्रवाई का दुनिया के मुल्कों में हो रहा विरोध

जिनेवा। गाजा में हमास और इजराइल के बीच चले युद्ध की मार वहां की आवाम झेल रही है। इस युद्ध में अब तक हजारों मासूम लोगों की जान जा चुकी है और घर, अस्पताल, स्कूल सभी इजराइल द्वारा की गई बमबारी में तबाह हो चुके हैं। इजराइल की इस तरह की कार्रवाई का दुनिया के सभी मुल्कों में विरोध भी हुआ और हो रहा है लेकिन इजराइल गाजा पर अपना अधिकार जमाने की जिद नहीं छोड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि इजरायल की ओर से गाजा में की गई बमबारी से एन्क्लेव के 212 स्कूलों पर सीधा प्रभाव पड़ा है। सेटेलाइट से ली गई तस्वीरों से पता चलता है कि गत 7 अक्टूबर को संघर्ष शुरू होने के बाद से कम से कम 53 स्कूल पूरी तरह से तबाह हो गए हैं। साथ ही फरवरी 2024 के बीच हुए स्कूल पर हमलों में तकरीबन नौ फीसदी की बढोतरी हुई है। यह बात संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ), एजुकेशन क्लस्टर, और सेव द चिल्ड्रेन की रिपोर्ट में कही गयी है। रिपोर्ट के ने कहा गया है कि इजराइल द्वारा स्कूलों पर हमलों ने गाजा में पहले से ही गंभीर मानवीय स्थिति को और बिगाड़ दिया है।गाजा पट्टी के ज्यादातर हिस्सों में हवा, जमीन और समुद्र से तीव्र इजरायली बमबारी से पता चलता है कि दक्षिणी खान यूनिस गवर्नरेट में 62 स्कूल, मध्य क्षेत्र गवर्नरेट में 14, गाजा गवर्नरेट में 94, और उत्तरी गाजा गवर्नरेट में 42 स्कूलों को सीधे निशाना बनाया गया। यह आज तक का सबसे गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्र है, जिसमें 86.2 फीसदी स्कूल पूरी तरह तबाह हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल अक्टूबर से फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र के राहत एवं कार्य एजेंसी द्वारा संचालित दो में से एक से अधिक स्कूलों को भी निशाना बनाया गया है। यही नहीं सरकारी इमारतों को भी इजरायली ने निशाना बनाया है। इजराइल द्वारा की जा रही बमबारी के चलते गाजा में छह महीने से शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से ठप पड़ी है। सेटेलाइट से मिली तस्वीर और अन्य स्रोतों से पता चलता है कि संघर्ष शुरू होने के बाद से इजरायली सुरक्षा बलों द्वारा गाजा के स्कूलों का सैन्य उपयोग किया जा रहा है।

## नोबेल विजेता अर्थशास्त्री डेनियल काह्नमैन का निधन

जेरूसलम ।इजराइली-अमेरिकी संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिक और अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार विजेता डैनियल काह्नमैन का 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इजराइली राष्ट्रपति इसहाक हज़ोग ने कहा, हमने बेहद प्रतिभाशाली लोगों में से एक को खो दिया है। उन्होंने कहा कि काह्नमैन के शोध ने मानवता के समझने के तरीके को बदल दिया है, हमें उन पर बहुत गर्व है। इजराइली राष्ट्रपति के हवाले से कहा,काह्नमैन की मौत के बाद भी मानवता की भलाई के लिए किए गए उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। गौरतलब है कि अनिश्चित परिस्थितियों में निर्णय लेने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए काह्नमैन को 2002 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। काह्नमैन यरूशलेम के हिब्रू विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ रेशनलिटी के फेलो, विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के सदस्य और कई प्रमुख अमेरिकी विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर और शोधकर्ता थे।

## ढाई दर्जन पाकिस्तानी सैनिको को मारकर बीएलए ने चीन को धमकाया

इस्लामाबाद। बलूच लिबरेशन आर्मी(बीएलए) ने तुर्बत में स्थित देश के दूसरे सबसे बड़े नौसैनिक हवाई स्टेशन पीएनएस सिद्दीकी को निशाना बनाकर 30 से ज?यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा किया और बलूचिस्तान में अपनी अवैध बस्तियों और परियोजनाओं पर चीन को चेतावनी दी। संगठन ने एक बयान में कहा कि उसकी मजीद ब्रिगेड ने बलूच नरसंहार के खिलाफ जवाबी कार्रवाई और क्षेत्र को चीनी कब्जे और शोषण से बचाने के लिए ऑपरेशन जिरपहाजग के पांचवें चरण को सफलतापूर्वक पूरा किया। बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलूच ने कहा, ऑपरेशन जिरपहाजग के पांचवें चरण में बलूच लिबरेशन आर्मी की मजीद ब्रिगेड ने कल रात (सोमवार) दस बजे सेना के कब्जे वाले नौसेना एयरबेस, पीएनएस सिद्दीकी पर हमला किया, सुबह तक दुश्मन से उलझते रहे और तीस से अधिक दुश्मन सैनिकों को मारकर ऑपरेशन का मकसद पूरा किया। यह बयान तब आया, जब इस्लामाबाद में स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि हमले में अर्धसैनिक बल का एक जवान मारा गया, जबकि पाकिस्तान की ओर से सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई में सभी पांच हमलावरों को मार गिराया। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि आतंकवादियों ने तुर्बत में पीएनएस सिद्दीकी पर हमला करने का प्रयास किया और सैनिकों की त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया के कारण हमला नाकाम कर दिया गया।

## श्रीलंका पर चीन फिर मेहरबान, अब कोलंबो एयरपोर्ट पर नजर

बीजिंग। श्रीलंकाई पीएम दिनेश गुणवर्धने ने बुधवार को कहा कि चीन ने बीजिंग में अपने समकक्ष के साथ बातचीत के बाद द्वीपीय राष्ट्र के रणनीतिक गहरे समुद्री बंदरगाह और राजधानी के हवाई अड्डे को विकसित करने का वादा किया है। श्रीलंकाई प्रधानमंत्री के कार्यालय की ओर से कहा गया है कि बीजिंग 2.9 अरब डॉलर के विदेशी ऋण के पुनर्गठन में भी सहायता करेगा। हालांकि, ऋण पुनर्गठन पर बीजिंग की स्थिति सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन श्रीलंकाई अधिकारियों ने कहा है कि चीन अपने ऋणों पर कटौती ना कर उसका कार्यकाल बढ़ा सकता है और ब्याज दरों को भी समायोजित कर सकता है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने इन दिनों चीन की छह दिनों की यात्रा पर हैं। बुधवार को उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग के साथ द्विपक्षीय बातचीत की और कुल नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। गुणवर्धने के साथ अपनी बैठक में, चीनी राष्ट्रपति ने चीन और श्रीलंका के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक के बाद श्रीलंका के प्रधानमंत्री ने कहा है कि दोनों देशों के बीच हुए समझौते के मुताबिक चीन श्रीलंका के गहरे समुद्री बंदरगाह और कोलंबो हवाई अड्डे का पुनर्विकास करेगा। बता दें कि श्रीलंका के डिफॉल्टर होने के बाद से कोलंबो हवाई अड्डे के विकास के लिए जापानी-मदद रुका हुआ है, जिसे अब चीन पूरा करेगा। दूसरी तरफ, हंबनटोटा के दक्षिणी समुद्री बंदरगाह को 2017 में ही चीन को 1.12 अरब डॉलर में 99 साल की लीज पर सौंप दिया गया था। इससे भारत के साथ चीन की क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता और सुरक्षा चिंताएं दोनों बढ़ गई हैं। भारत के साथ-साथ अमेरिका भी चिंतित हैं कि हंबनटोटा में चीनी पैर जमाने से हिंद महासागर में उसकी नौसैनिक ताकत बढ़ सकती है। हालांकि, श्रीलंका ने जोर देकर कहा है कि उसके बंदरगाहों का उपयोग किसी भी सैन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाएगा, लेकिन नई दिल्ली हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी जासूसी जहाजों को बुलाने पर आपत्ति जता चुका है। दरअसल, चीन हंबनटोटा बंदरगाह और कोलंबो एयरपोर्ट के विकास के बहाने पूरे हिन्द महासागर की जासूसी करना और उस पर सामरिक वर्चस्व स्थापित करना चाह रहा है, जो भारत-अमेरिका समेत अन्य एशियाई देशों के लिए भी चिंता की बात है।

## ब्रिज से क्यों और कैसे टकराई थी कार्गो शिप, गवर्नर ने किया खुलासा

### – जहाज में बिजली संबंधी चुनौतियां थीं, इसके चलते अलर्ट कॉल किया था

वॉशिंगटन। अमेरिका के बाल्टीमोर शहर में पुल से जहाज टकराने के हादसे को लेकर नई जानकारी सामने आई है। मैरीलैंड के गवर्नर वेस मूर ने बताया कि यह दस्तावेजित किया गया है कि जहाज में बिजली संबंधी चुनौतियां थीं। इसके चलते अलर्ट कॉल किया था। एक मीडिया से चर्चा के दौरान गवर्नर वेस मूर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अलर्ट कॉल का आह्वान बिजली की समस्याओं और जहाज को चलाने की क्षमता की कमी के कारण आया था। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हम अभी भी जांच कर रहे हैं कि वास्तव में क्या हुआ था और हमारे पास इस बात का कोई जवाब फिलहाल नहीं है कि जहाज में पॉवर सप्लाई संबंधित समस्याएं क्यों थीं। हम जो बात जानते हैं वह यह है कि हमने दस्तावेजीकरण किया है कि जहाज में बिजली संबंधित चुनौतियां थीं। आगे इस बात पर जोर देते हुए कि गवर्नर मूर ने ब्रिज के ढहने की घटना को वैश्विक संकट बताया है। गवर्नर वेस मूर ने कहा कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और दुनिया की अर्थव्यवस्था बाल्टीमोर के बंदरगाह पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि यह बंदरगाह देश के किसी भी अन्य बंदरगाह की तुलना में अधिक कारों और अधिक कृषि उपकरणों को संभालता है।

रुस में फायर व रेस्क्यू कालेज के कैडेटस एक अस्थायी रुप से बने स्मारक के सामने खड़े नजर आ रहे। यह स्मारक कंसर्ट में हुए आतंकी हमले में मारे गये लोगों का है।

## सेनेगल के राष्ट्रपति होंगे डायोमाये फे, जीता चुनाव

### –फेय को अप्रैल 2023 में कैद कर लिया गया था

DIOMAY
PRÉSIDEN

डैकर। सेनेगल विपक्षी गठबंधन डायोमाये प्रेसिडेंट की ओर से चुनाव लड़ रहे बस्सिरौ डायोमाये फे ने राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। श्री फेय ने कुल 2,434,751 वोट हासिल किए, जो कुल वोटों का 54.28 प्रतिशत है। मतदान प्रतिशत 61.30 प्रतिशत है। सत्तारूढ़ गठबंधन का प्रतिनिधित्व करने वाले उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी अमादौ बा 35.79 फीसदी वोटों से हार गए। श्री फेय का जन्म डैकर से 115 किमी पूर्व में स्थित नदिआगनियाओ में हुआ था। उन्होंने डैकर में शेख अंता डिओप विश्वविद्यालय से कानून में मास्टर डिग्री हासिल की है। उन्होंने 2004 में नेशनल स्कूल ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की और स्नातक की पढ़ाई के बाद कर निरीक्षक बन गए थे। उन्होंने सेनेगल फॉर वर्क, एथिक्स एंड फेटरनिटी (पीएएसटीईएफ) पार्टी के अफ्रीकी पैट्रियट्स के महासचिव के रूप में कार्य किया, जिसे जुलाई 2023 में राष्ट्रपति के आदेश द्वारा भंग कर दिया गया था। फेय को अप्रैल 2023 में कैद कर लिया गया था बाद में निवर्तमान राष्ट्रपति मैकी सॉल के माफी कानून लागू करने के बाद 14 मार्च को रिहा कर दिया गया था।

# कर्ज में डूबा मालदीव, पड़ गए तेवर ढीले, राहत के लिए भारत आएंगे मुइज्जू?

**माले (एजेंसी)।** मालदीव के राष्ट्रपति के टेबल पर जैसे ही कर्ज वाली फाइल पहुंची वैसे ही मुइज्जू की अकड़ ढीली हो गई और बैठकों का दौर शुरू हो गया। मालदीव को एक बार फिर से भारत के साथ संबंधों को सुधारणा है। मालदीव की मौजूदा सरकार अब इस दिशा में काम कर रही है कि कैसे भारत के साथ अपने संबंधों को फिर से ठीक किया जाए। भारत का बकाया मालदीव को समय रहते चुकाना है। वरना कर्ज का बोझ बढ़ता ही चला जाएगा। मालदीव के पास कर्ज वाली फाइल पहुंची तो मुइज्जू ये देख कर हैरान हो गए कि इस कर्ज को चुकाएंगे कैसे? इन सब के बीच पूर्व राष्ट्रपति की तरफ से मोहम्मद मुइज्जू के लिए सलाह भी पहुंच गई। मुइज्जू के लिए पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलेह ने कहा कि उन्हें अपनी जिद छोड़कर आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए पड़ोसी भारत से बात करनी चाहिए।

पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम की टिप्पणी ऐसे वक्त में आई जब मुइज्जू को दुनियाभर में चीन समर्थक नेता के तौर पर देखा जा रहा है। वो चीन से भारी भरकम कर्ज लेने की तैयारी में हैं। इब्राहिम मोहम्मद सोलेह ने भारत से मालदीव को कुछ कर्ज चुकाने किए राहत देने की अपील भी की है। सोलेह ने आगे कहा कि मैंने मीडिया रिपोर्ट में देखा है जिससे पता चलता है कि मुइज्जू कर्ज की रिस्ट्रक्चरिंग के लिए भारत से बात करना चाहते हैं। भारत विरोधी बयानबाजी के बाद मालदीव के प्रेजिडेंट मोहम्मद मुइज्जू का नरम रुख सामने आया है। उन्होंने अचानक अपने तेवर बदलते हुए कहा कि भारत मालदीव का निकटतम सहयोगी बना रहेगा। एक न्यूज पोर्टल के साथ इंटरव्यू में मुइज्जू ने भारत से कर्ज में राहत की मांग की। पिछले साल के अंत तक मालदीव पर भारत का करीब 400.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर बकाया था। पिछले साल नवंबर में प्रेजिडेंट पद की शपथ लेने के बाद से चीन समर्थक मुइज्जू ने भारत के प्रति सख्त रुख अपनाया है। खासकर, इस दौरान वह भारतीय सैन्य कर्मियों को उनके देश से भारत वापस भेजने को लेकर काफी सख्त दिखे हैं। हमें जो स्थितियां विरासत में मिली हैं, वे ऐसी हैं कि भारत से बहुत बड़ा कर्ज लिया गया है। हम इन कर्ज की वापसी में उदारता चाहते हैं। मुझे मालदीव-भारत संबंधों पर किसी भी प्रतिकूल प्रभाव का कोई कारण नहीं दिखता।

## शहबाज की गलती पर जिनपिंग ने ये क्या कर दिया, पूरे पाकिस्तान को मिलेगी सजा

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** चीन का पाकिस्तान से नाराज होना और पाकिस्तान सरकार का डर दोनों जायज है। पिछले कुछ वर्षों में बार-बार चीन के नागरिकों को आतंकियों ने निशाना बनाया। कई चीनी नागरिकों की जान भी गई। लेकिन इस तरह के हमलों को रोकने में पाकिस्तान हमेशा नाकाम रहा है। पाकिस्तान काफी हद तक चीन पर निर्भर है। ऐसे में चीन ये बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा कि मदद के बदले में उसे अपनी नागरिकों की जान गंवानी पड़े। ताजा आतंकी हमले में अपने पांच नागरिकों की जान जाने से चीन गुस्से में है। चीन की तरफ से कहा गया है कि पाकिस्तान इस आत्मघाती हमले की जांच करे और दोषियों को सख्त से सख्ता सजा दे। चीनी इंजीनियरों की गाड़ी पर हमले के बाद शहबाज शरीफ इस कदर घबरा गए कि हमले के कुछ ही घंटे के बाद अपनी पूरी कैबिनेट के साथ चीनी दूतावास पहुंच गए। पाकिस्तान चीन के साथ अपनी दोस्ती को हिमालय से ऊंचा और समुद्र से गहरा बताता है। लेकिन डर की वजह से प्रधानमंत्री प्रोटोकॉल तोड़ते हुए खुद ही चीन के राजदूत से मिलने चले जाते हैं। शहबाज शरीफ की इतनी हिम्मत भी नहीं हुई कि वो चीनी राजदूत से आंखे मिलाकर बात कर पाए। पूरे वक्त वो डरे सहमे नजर आए। वहीं ऐसी अटकलें लग रही हैं कि बीजिंग इस्लामाबाद पर सीपीईसी परियोजनाओं की सुरक्षा के लिए अपनी सुरक्षा एजेंसियों को तैनात करने के लिए दबाव डाल सकता है। पाकिस्तान सरकार भले ही चीन के साथ दोस्ती निभा रही हो। लेकिन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और इसके जैसे दूसरे संगठनों को चीनी नागरिक देश में मंजूर नहीं हैं। इसलिए पिछले करीब पांच वर्षों से बार-बार चीनी नागरिकों पर हमले की घटनाएं सामने आई है। चीनी नागरिकों पर हमले करने में सबसे आगे बीएलए है। साल 2021 में भी एक बड़ा हमला हुआ था। पाकिस्तान के आतंकी हमले में 9 चीनी इंजीनियर मारे गए थे। जब चीनी इंजीनियर से भरी बस पर अटैक हुआ था। हमले में नौ चीनी इंजीनियर समेत 12 की मौत हुई।

## मलेशिया में अल्लाह मोजे स्कैंडल को लेकर बवाल

कुआलालंपुर। मुस्लिम बहुल देश मलेशिया में अल्लाह मोजे स्कैंडल को लेकर बवाल मचा हुआ है। दरअसल, मलेशिया के एक सुपरमार्केट में बिक रहे मोजे पर अरबी में अल्लाह लिखा हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक, अल्लाह लिखे हुए मोजे की पांच जोड़ी की बिक्री हुई है। घटना के सामने आने के बाद से मलेशिया के एक खास समुदाय में आक्रोश है। मामले को लेकर मलेशिया के एक नेता को जान से मारने की धमकी भी दी गई है। वहीं, सुपरमार्केट की एक ब्रांच पर पेट्रोल बम से हमला करने का प्रयास हुआ है। जिसके बाद मलेशिया के किंग सुल्तान इब्राहिम ने विवाद का फायदा उठाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। मामले के सामने के बाद मलेशिया के किंग ने सभी राजनीतिक पार्टियों से आह्वान किया है कि वे अल्लाह शब्द वाले मोजों की बिक्री पर जारी विवाद का फायदा उठाना बंद करें।

## 'नेपाल-भारत अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन' का आगाज

### –वैश्विक मंच से दुनिया में फैलाएंगे संस्कृत भाषा का ज्ञान

**काठमांडू (एजेंसी)।** तीन दिवसीय ''नेपाल-भारत अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन'' में नेपाल और भारत के विद्वान प्राचीन भाषा का प्रकाश पूरी दुनिया में फैलाने जा रहे हैं। दोनों देशों के संस्कृत विद्वान महात्मय और ज्ञान से दुनिया को अवगत कराएंगे। एक ही मंच से ज्ञान, अनुभव और शोध निष्कर्षों को साझा करेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य संस्कृत में वैश्विक रुचि पर चर्चा करना और दोनों देशों के सांस्कृतिक और शिक्षा क्षेत्रों पर संस्कृत भाषा के प्रभावों का पता लगाना है। नेपाल के ऊर्जा और जल संसाधन मंत्री शक्ति बस्नेत ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि संस्कृत भाषा ज्ञान और विज्ञान के मामले में समृद्ध है, इसलिए इसके लाभों को वैश्विक समुदाय के साथ साझा करने के लिए नेपाल और भारत के बीच सहयोग को तेज करने की जरुरत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नेपाल और भारत की साझा संपत्ति के रूप में संस्कृत भाषा को संरक्षित और बढ़ावा देने से दोनों देशों के बीच लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। दिल्ली स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्व विद्यालय के कुलपति श्रीनिवास बरखेड़ी ने कहा कि विज्ञान और प्राचीन ज्ञान की भाषा होने के नाते संस्कृत न केवल दो दक्षिण एशियाई पड़ोसियों को एक सूत्र में बांध सकती है, बल्कि भारत और नेपाल दोनों को वैश्विक शक्ति में बदल सकती है। भारत और नेपाल दोनों ही देशों में हिंदू समाज और संस्कृति का प्रभाव है। हिंदुओं के धार्मिक ग्रंथों में इसी प्राचीन भाषा का इस्तेमाल किया गया है।

# मुश्किल वक्त में दुनिया की मदद करने और भारत की दरियादिली का संयुक्त राष्ट्र कायल

### –संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने भारतीय कमल किशोर को बनाया आपदा जोखिम प्रतिनिधि

**जेनेवा (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक संकटों के समय दुनिया की मदद की है, उसकी इस दरियादिली का संयुक्त राष्ट्र भी कायल हो गया है। फिर चाहे बात कोरोना की वैक्सीन मुफ्त में देने की हो या फिर तुर्की में आए भूकंप और चाहे रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर इजरायल-हमास युद्ध पीड़ितों को मदद पहुंचाने की बात हो भारत ने हमेशा ही मानवीयता को सर्वोपरि रखा है।

भारत आज से ही नहीं सालों से हमेशा से ही दुनिया में आई आपदों में दूसरे देशों की मदद करता रहा है। उसकी छवि दुनिया में मुश्किलों के सबसे बड़े मददगार के तौर पर उभरी है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक संकटों के समय जिस तेजी के साथ दुनिया की मदद करने में हमेशा आगे रहने का साहस दिखाया है, उसकी इस दरियादिली का संयुक्त राष्ट्र भी कायल हो गया है। भारत ने हमेशा मानवीयता को सर्वोपरि रखा है। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र का भी भरोसा भारत पर बढ़ा है।

इन्ही सबको ध्यान में रखते हुए भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के एक उच्च अधिकारी को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए अपना विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया है। महासचिव के प्रवक्ता ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहा कि कमल किशोर को 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय' (यूएनडीआरआर) में महासचिव का सहायक और विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। एनडीएमए में किशोर जिस पद पर हैं वह भारत सरकार के सचिव स्तर का है।

किशोर ने जी20 कार्य समूह का नेतृत्व किया

भारत के जी20 का अध्यक्ष पद पर रहने के दौरान किशोर ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जी20 कार्य समूह का नेतृत्व किया था। उन्होंने 2019 में जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचा गठबंधन के विकास में भी योगदान दिया था। एनडीएमए में शामिल होने से पहले, किशोर ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के लिए जिनेवा, दिल्ली और न्यूयॉर्क में 13 साल काम किया। किशोर ने 'मास्टर ऑफ साइंस' और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की से वास्तुकला में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है।

# पानी की एक एक बूंद के लिए हैरान मालदीव, कभी भारत बना था संकटमोचक

**माले (एजेंसी)।** भारत ने मालदीव की कई बार मदद की है। 2014 में जब पानी का संकट गहराया तो भारत ने संकटमोचक बनकर मालदीव में ऑपरेशन नीर चलाकर पानी उपलब्ध कराया था। कई बार इस तरह से भारत मदद करता रहा है। मालदीव का ज्यादातर हिस्सा मूंगा चट्टानों और रेतीली चट्टानों से बना हैं। समुद्र के खारे पानी से घिरा मालदीव अक्सर जलवायु परिवर्तन के कारण भूजल और मीठे पानी की अत्यधिक कमी का सामना करता रहता है। दिसंबर 2014 में, माले जल और सीवरेज कंपनी परिसर में भीषण आग लगने के बाद मालदीव में गंभीर जल संकट आ गया था। तब भारत ने मालदीव में ऑपरेशन नीर चलाया था। भारतीय विमानों ने 375 टन पीने का पानी पहुंचाया, दो भारतीय जहाजों, आईएनएस दीपक और आईएनएस शुकन्या ने लगभग 2,000 टन पानी पहुंचाया। इससे मालदीव के लोगों बड़ी राहत मिली थी।

अब मालदीव ने भारत से पंगा ले लिया तो मदद के लिए चीन में शरण में पहुंच गया।राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू सरकार के गिड़गिड़ाने पर जिनपिंग ने राहत के दरवाजे खोले। चीन की सरकार ने मालदीव को 1500 टन पीने योग्य पानी दान किया है। यह पानी चीन को तिब्बत के ग्लेशियरों से जमा किया हुआ था।मालदीव में पानी की भारी कमी को दूर करने के लिए चीन की शी जिनपिंग सरकार ने तिब्बत में ग्लेशियरों से प्राप्त 1500 टन पीने का पानी दान किया है। यह दान मालदीव को चीन के चल रहे समर्थन के हिस्से के रूप में आया है।

नवंबर 2023 में मालदीव के राष्ट्रपति की कुर्सी संभालने के बाद मालदीव ने भारत से पंगा लेकर चीन से दोस्ती की तरफ कदम बढ़ाए थे।मालदीव के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जानकारी दी कि पीने के पानी की खेप सफलतापूर्वक उस तक पहुंच गई है। मालदीव के मुताबिक, चीन का यह फैसला तिब्बत में चीनी प्रतिनिधि और अध्यक्ष यान जिनहाई की माले यात्रा के दौरान चर्चा का परिणाम है। उस वक्त जल संकट में मालदीव की तरफ से मदद का आह्वान किया गया था।मालदीव को चीन की ओर से मदद का यह पहला मामला नहीं है। साल की शुरुआत में जब भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद भारतीयों ने मालदीव जाने का बहिष्कार करना शुरू किया था तो पर्यटन पर निर्भर मालदीव को चीन से मदद मांगनी पड़ी थी। मालदीव ने चीन की सरकार से मांग की थी कि वे अपने लोगों से मालदीव की यात्रा करने के लिए कहें। इसी साल मार्च में मालदीव ने चीन के साथ सैन्य समझौता किया था। जिसमें चीन की सेना मालदीव को सैन्य उपकरणों की ट्रेनिंग देगी।

# वरुण ने टिकट कटने के बाद पीलीभीत के नाम लिखा भावुक संदेश

### -मेरा आपसे रिश्ता प्रेम और विश्वास का, मैं आपका था, हूं और रहूँगा

नई दिल्ली। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में कई नए चेहरे तो कई सांसदों को दोबारा भी टिकट दिया है, लेकिन उत्तरप्रदेश के पीलीभीत सीट से इस बार उन्होंने वरुण गांधी का टिकट काट कर जितिन प्रसाद को मैदान में उतारा है, जिससे वरुण गांधी अपनी पार्टी से काफी नाराज हैं। बुधवार को नामांकन की आखिरी तारीख खत्म होने के बाद अब वरुण ने पीलीभीत की जनता के नाम एक भावुक संदेश लिखा है। वरुण गांधी ने पत्र में लिखा- मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे वर्षों पीलीभीत की जनता की सेवा करने का मौका मिला। एक सांसद के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के तौर पर भी मेरी परवरिश और मेरे विकास में पीलीभीत से मिले आदर्श, सरलता और सहृदयता का बहुत बड़ा योगदान है। आपका प्रतिनिधि होना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और मैंने हमेशा आपके हितों के लिए आवाज उठाई है। पत्र में वरुण ने आगे लिखा-एक सांसद के तौर पर मेरा कार्यकाल भले खत्म हो रहा हो, पर पीलीभीत से मेरा रिश्ता अंतिम सांस तक खत्म नहीं होगा। सांसद के रूप में नहीं, तो बेटे के तौर पर सही, मेरा पूरा जीवन आपकी सेवा के लिए है और मेरे दरवाजे आपके लिये हमेशा खुले रहेंगे। वरुण ने कहा कि मैं राजनीति में आम आदमी की आवाज उठाने आया था और आज आपसे यही आशीर्वाद मांगता हूँ कि मैं हमेशा यह कार्य करता रहूं, भले ही उसकी कोई भी कीमत चुकानी पड़े। मेरा और पीलीभीत का रिश्ता प्रेम और विश्वास का है, मैं आपका था, हूं और रहूँगा। वरुण गांधी ने अपने पत्र में अपनी मां मेनका गांधी का भी जिक्र किया उन्होंने कहा कि अनगिनत यादों ने मुझे भावुक कर दिया है। मुझे वो 3 साल का छोटा सा बच्चा याद आ रहा है जो अपनी मां की उँगली पकड़ कर 1983 में पहली बार पीलीभीत आया था, उसे कहां पता था एक दिन यह धरती उसकी कर्मभूमि और यहां के लोग उसका परिवार बन जाएंगे।

# सीएम केजरीवाल की पत्नी के रिश्तेदारों के यहां ईडी का छापा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बीच ईडी लगातार छापेमारी कर रही है। अभी हाल ही में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का मामला अभी शांत नहीं हुआ था कि अब ईडी ने केजरीवाल की पत्नी के रिश्तेदारों के घर पर भी छापमार कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के रिश्तेदार एसपी गुप्ता के घर पर 26 मार्च को सुबह 8 बजे से 27 मार्च शाम 6 बजे तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापा मारा। एसपी गुप्ता का घर दिल्ली के सुंदर नगर इलाके में है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, ईडी ने फेमा के एक पुराने मामले में गुप्ता के घर पर छापा मारा है लेकिन ईडी को वहां क्या मिला इसकी जानकारी नहीं लग पाई है।

# नींबू को खरीदने की होड़ : 2 लाख 36 हजार में बिके 9 नींबू

चैन्नई। वैसे तो नींबू 5-10 रुपए में आसानी से मिल जाते हैं लेकिन इन निंबुओं की कीमत सुनकर आपको आश्चर्य होगा। यहां 9 नींबू 2 लाख 36 हजार में बिके हैं। वार्षिक पंगुनी उथिरम उत्सव के दौरान विल्लुपुरम के तिरुवनैनल्लूर गांव में दो पहाड़ियों के संगम पर स्थित एक छोटे से मंदिर में सैकड़ों नि:संतान जोड़े भगवान मुरुगा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रबंधन द्वारा नीलाम किए गए नींबू के लिए बोली लगाते हैं। तमिलनाडु के विल्लुपुरम मंदिर में भगवान की मूर्ति के साथ लगे भाले पर निंबू चढ़ाया जाता है। इसके बाद इन निंबूओं की बोली लगाई जाती है। बीते मंगलवार को भी इसकी नीलामी की गई और 9 निंबू 2.36 लाख रुपये में बिके। ऐसी मान्यता है कि जिन दंपतियों को संतान नहीं होता है, उन्हें इसके पानी का सेवन करने से संतान की प्राप्ति होती है और परिवार में समृद्धि भी आती है। रिपोर्ट के मुताबिक एक ग्रामीण ने कहा, मंदिर अपने पवित्र नींबूओं के लिए प्रसिद्ध है। लोगों का दृढ़ विश्वास है कि भगवान मुरुगा के भाले में लगे नींबू में जादुई शक्तियां हैं।एक दूसरे ग्रामीण ने कहा, नि:संतान दंपति नींबू खरीदते हैं क्योंकि ऐसी दृढ़ मान्यता है कि नींबू बांझपन को ठीक करता है। व्यापारी और व्यवसायी अपने व्यापारिक उद्यमों में समृद्धि की तलाश में नींबू खरीदते हैं। यह त्योहार नौ दिनों तक चलता है। मंदिर के पुजारी हर दिन एक नींबू काटते हैं। उत्सव के आखिरी दिन मंदिर प्रबंधन नींबू की नीलामी करता है। त्योहार के पहले दिन भाले पर लगा नींबू सबसे शुभ और शक्तिशाली माना जाता है। कुलाथुर गांव के एक कपल ने 50,500 रुपये में नींबू खरीदा। नींबू के लिए बोली लगाने के बाद उन्होंने स्नान किया और मंदिर के पुजारियों के सामने घुटने टेककर उन्हें प्राप्त किया।

# टोल पर महंगाई की मार,दिल्ली से मेरठ और हापुड़ से जयपुर तक का सफर हुआ महंगा

नई दिल्ली। महंगाई की मार अब टोल पर भी पड़ रही है। मतलब चार पहिया वाहनों को अब टोल टैक्स ज्यादा देना पड़ेगा।अब लोगों को दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सफर करने के लिए पांच रुपए अधिक शुल्क देना होगा। अभी तक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से हापुड़ की तरफ जाने पर छिजारसी (पिलखुवा) टोल प्लाजा पर 165 रुपये टोल लिया जा रहा था जो एक अप्रैल से 170 रुपए हो जाएगा।वहीं, सराय काले खां से मेरठ तक का काशी (परतापुर) टोल प्लाजा पर 160 रुपए टोल देना होता था जो अब 165 रुपए देना होगा। इसी तरह से छिजारसी टोल प्लाजा से मासिक पास 330 रुपए में अभी तक जारी किया जाता था जो अब एक अप्रैल से 340 रुपए में जारी किया जाएगा। एनएचएआई ने कार, हल्के व्यावसायिक वाहन समेत सभी श्रेणी के वाहनों से ली जाने वाली टोल दरों में इजाफा किया है। इसके साथ ही मासिक पास भी 10 रुपए प्रति महीने के हिसाब से महंगा हो गया है। ध्यान रहे कि नेशनल हाईवे पर स्थित टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर की परिधि में रहने वाले लोगों को मासिक पास जारी किया जाता है। यह सिर्फ निजी श्रेणी के वाहनों के लिए जारी होती है। हालांकि मासिक पास को एक्सप्रेसवे स्थित टोल प्लाजा पर जारी नहीं किया जाता है। एचएसआईआईडीसी की तरफ से केएमपी एक्सप्रेस वे पर टोल शुल्क को 29 मार्च तक तय कर दिए जाएंगे।एनएचएआई से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि टोल दरों में पांच फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है, जो हर एक्सप्रेसवे और नेशनल हाईवे के हिसाब से अलग-अलग है। दिल्ली में प्रतिदिन दिल्ली-जयपुर, दिल्ली-आगरा, दिल्ली-अंबाला, दिल्ली- रोहतक नेशनल हाईवे के साथ ही दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-मेरठ और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के जरिए निजी और कमर्शियल वाहनों का आवागमन होता है।

# राजनीति देश की सेवा करने का जरिया : कंगना रनौत

### - हिमाचल प्रदेश के मंडी से लोकसभा चुनाव लड़ने जा रही एक्ट्रेस

नई दिल्ली। अभिनेत्री कंगना रनौत ने कहा कि भारत के लोगों ने उन जैसे एक कलाकार को बहुत कुछ दिया है और वह उसे समाज को लौटाना जरूरी समझती हैं और राजनीति ऐसा करने का सबसे अच्छा तरीका है। अभिनेत्री ने एक इवेंट के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनके लिए राजनीति प्रचार पाने या पैसा कमाने का नहीं, बल्कि देश की सेवा करने का जरिया है।उन्होंने कहा ‘भगवान दयालु रहे हैं और उन्होंने मुझे बहुत आशीर्वाद दिया है। मेरे लिए राजनीति प्रचार पाने या पैसा कमाने का साधन नहीं है, यह लोगों की सेवा करने का एक तरीका है। सार्वजनिक शख्सियतों और अभिनेताओं के रूप में हम उस बिंदु पर पहुंच जाते हैं, जहां दर्शक भी समाज को वापस देने के मामले में हमसे कुछ उम्मीद करते हैं।’ ‘मेरे पास जो कुछ भी है, वह सब लोगों की वजह से है और भाजपा लोगों की पार्टी है। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि कोई कसर न छोडूं और लोगों ने मुझे जो आशीर्वाद दिया है, उसकी तुलना में उन्हें कहीं अधिक लौटाऊं। मैंने भाई-भतीजावाद शब्द का इस्तेमाल किया था और मैं कहना चाहूंगा कि भाजपा एक निष्पक्ष दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली वाली राजनीतिक पार्टी है।कंगना ने यह भी कहा कि वह पार्टी में बॉलीवुड स्टार के तौर पर नहीं, बल्कि एक पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर शामिल हुई हैं। उन्होंने कहा, ‘आज मैं इस पार्टी में एक बॉलीवुड स्टार के तौर पर शामिल नहीं हुई हूं, मैं एक कार्यकर्ता के तौर पर पार्टी का हिस्सा बनी हूं। पार्टी व समाज के हित में काम करूंगी। आज बहुत सारे लोग यहां एकत्र हुए हैं और उन्होंने मुझे इस रास्ते पर मार्गदर्शन करते हुए यह अवसर दिया है।कंगना के पिता अमरदीप रनौत ने उनके बयान को दोहराते हुए कहा कि अभिनेत्री समाज के लिए काम करने के लिए पार्टी में शामिल हुई हैं।

# चुनावी और कानूनी प्रक्रियाओं पर बाहरी आरोप पूरी तरह से अस्वीकार्य

## अमेरिका की लगातार बयानबाजी पर विदेश मंत्रालय ने खूब सुनाया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और कांग्रेस के बैंक खातों को जब्त करने पर टिप्पणी को लेकर भारत द्वारा अमेरिकी राजनयिक को समन भेजने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि कल भारत ने अमेरिकी दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी के समक्ष अमेरिकी विदेश विभाग की टिप्पणियों के संबंध में अपनी कड़ी आपत्ति और विरोध दर्ज कराया। विदेश विभाग की हालिया टिप्पणियाँ अनुचित हैं। हमारी चुनावी और कानूनी प्रक्रियाओं पर ऐसा कोई भी बाहरी आरोप पूरी तरह से अस्वीकार्य है। भारत में कानूनी प्रक्रियाएं कानून के शासन से ही संचालित होती हैं। जिस किसी का भी लोकाचार समान है, विशेषकर साथी लोकतंत्रों को, इस तथ्य की सराहना करने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए।

भारत को अपनी स्वतंत्र और मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं पर गर्व है। हम उन्हें किसी भी प्रकार के अनुचित बाहरी प्रभाव से बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आपसी सम्मान और समझ अंतरराष्ट्रीय संबंधों की नींव बनाती है, और राज्यों से दूसरों की संप्रभुता और आंतरिक मामलों का सम्मान करने की अपेक्षा की जाती है। अमेरिका ने एक बार फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के मामले में कमेंट किया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर न सिर्फ केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बोले बल्कि उन्होंने कांग्रेस के फ्रीज बैंक खातों का मुद्दा भी उठा दिया। आपको बता दें कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय की तरफ से एक दिन पहले भी केजरीवाल की गिरफ्तारी पर टिप्पणी की गई थी।

अमेरिका ने निष्पक्ष, पारदर्शी, समय पर कानूनी प्रक्रियाओं के लिए अपना आह्वान को दोहराया। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने नई दिल्ली में अमेरिकी मिशन के कार्यवाहक उपप्रमुख ग्लोरिया बर्बेना को भारत द्वारा तलब किए जाने पर सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हम दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी सहित इन कार्रवाइयों पर बारीकी से नजर रखना जारी रखेंगे। विदेश मंत्रालय के साउथ ब्लॉक कार्यालय में कल लगभग 40 मिनट तक बैठक चली, जिसमें भारत ने श्री केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अमेरिकी टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई।

# कंगना पर टिप्पणी ने बढ़ाई सुप्रिया श्रीनेता की मुश्किलें

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार बनी अभिनेत्री कंगना रनौट पर कथित टिप्पणी कर कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कंगना पर आपत्तिजनक कमेंट करने पर सुप्रिया को कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच अब कांग्रेस पार्टी ने भी उनपर सख्ती बरती है। कांग्रेस ने सुप्रिया श्रीनेत के इंस्टाग्राम अकाउंट से किए गए गलत पोस्ट पर उन्हें सख्त संदेश दिया है। पार्टी ने सुप्रिया का उस निर्वाचन क्षेत्र से टिकट काट दिया है, जहां से वो उम्मीदवार के रूप में 2019 का चुनाव लड़ीं थी। सुप्रिया ने पिछला लोकसभा चुनाव उत्तर प्रदेश के महाराजगंज से लड़ा था, लेकिन वह भाजपा के पंकज चौधरी से हार गयी थीं। इससे पहले चुनाव आयोग ने सुश्री श्रीनेत को उनके पोस्ट पर कारण बताओ नोटिस जारी किया था। कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए बुधवार को अपनी आठवीं सूची की घोषणा की। इसमें मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और झारखंड के लिए 14 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए। पार्टी अब तक 208 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। कांग्रेस ने इस बार कंगना रनौट पर की गई कथित पोस्ट के बाद श्रीनेत को हटाकर वीरेंद्र चौधरी को इस सीट से टिकट दिया है। श्रीनेत के इंस्टाग्राम अकाउंट से रनौट की तस्वीर और अपमानजनक कैप्शन के साथ एक आपत्तिजनक पोस्ट डाला गया था। हालांकि, श्रीनेत ने तुरंत स्पष्ट किया कि उनके सोशल मीडिया अकाउंट तक कई लोगों की पहुंच है और उनमें से एक ने ये अनुचित पोस्ट किया है।

# लालू यादव ने पप्पू यादव के साथ कर दिया खेला

## कांग्रेस के अगले कदम का इंतजार

**पटना (एजेंसी)।** बिहार में सीट बंटवारे को लेकर आरजेडी और कांग्रेस में खींचतान के बीच लालू के करीबी पप्पू यादव के साथ बड़ा खेल हो गया। कोई सीट नहीं मिलने से पप्पू यादव दुःखी जरूर हैं, लेकिन अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर देने के बाद वो पीछे नहीं हटना चाह रहे हैं। अब सवाल यह है कि पप्पू यादव और कांग्रेस पार्टी का अगला कदम क्या होगा? दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे का फॉर्मूला तक अभी सामने नहीं आया है।

बिहार में पप्पू यादव पूर्णिया लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए दावेदारी कर रहे हैं। ऐन वक्त पर लालू यादव ने पूर्णिया जिले की ही रुपौली सीट से नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू की विधायक बीमा भारती को राष्ट्रीय अपनी पार्टी आरजेडी जॉइन कराकर लोकसभा का टिकट थमा दिया। पूर्णिया से बीमा की उम्मीदवारी का ऐलान भी लालू, तेजस्वी ने नहीं, खुद बीमा भारती ने ही सोशल मीडिया पोस्ट कर दिया था।

पूर्णिया सीट पर आरजेडी के उम्मीदवार उतारने के बाद अब पप्पू यादव कांग्रेस से आस लगाए बैठे हैं। उन्होंने दोहराया है कि दुनिया छोड़ देंगे लेकिन पूर्णिया नहीं छोड़ेंगे। अब सवाल यह है कि पप्पू यादव और कांग्रेस पार्टी का अगला कदम क्या होगा? दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे का फॉर्मूला अभी तक सामने नहीं आया है, ऐसे में कांग्रेस और पप्पू यादव के सामने क्या विकल्प बचते हैं?

आरजेडी का टिकट फाइनल होने के बाद भी पप्पू यादव का जिस तरह का रुख नजर आ रहा है, उससे लगता है कि पूर्णिया सीट पर आरजेडी और कांग्रेस के उम्मीदवार आमने-सामने आ जाएंगे। गठबंधनों के इतिहास में फ्रेंडली फाइट कोई नई बात भी नहीं है। पहले भी कई बार दो गठबंधन सहयोगी किसी सीट विशेष पर आमने-सामने नजर आ चुके हैं जिसे लेकर बात नहीं बन सकी हो। पप्पू यादव के लिए आरजेडी मधेपुरा सीट दे सकती है। पप्पू यादव पहले भी मधेपुरा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं और उन्होंने यह कहा था कि लालू ने उनके सामने अपनी पार्टी का आरजेडी में विलय करने की शर्त रखते हुए मधेपुरा से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा था।

ऐसा भी है कि कांग्रेस लालू यादव के सामने अगर सरेंडर करती है तो पप्पू अपनी राह अलग कर लें। पप्पू 1991 और 1999 की तर्ज पर पूर्णिया सीट से निर्दलीय चुनाव मैदान में उतर जाएं या फिर जिस तरह 1996 में सपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ा था, कुछ वैसा ही इस बार करें और किसी कम बेस वाली पार्टी का दामन थाम कर चुनाव लड़ सकते हैं। अपनी जन अधिकार पार्टी का वह कांग्रेस में विलय कर चुके हैं, ऐसे में उनके पास असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम और मुकेश सहनी की वीआईपी जैसी पार्टियों के विकल्प भी हैं जो न तो इंडिया ब्लॉक में शामिल हैं और ना ही एनडीए का हिस्सा हैं।

### अब पप्पू के साथ भी कुछ वैसा ही हुआ

लालू-तेजस्वी से पप्पू यादव की मुलाकात को आरजेडी की सहमति के तौर देखा गया बीमा भारती की सीन में एंट्री के साथ ही तस्वीर बदल गई। बीमा ने आरजेडी में आते ही कहा भी कि लालू यादव का निर्देश हुआ तो पूर्णिया लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं। तभी से यह चर्चा भी शुरू हो गई थी कि आरजेडी कहीं पप्पू यादव को कीर्ति आजाद न बना दे। कीर्ति आजाद 2019 के चुनाव से ठीक पहले दरभंगा सीट से टिकट की शर्त पर कांग्रेस में आए थे लेकिन इस सीट से गठबंधन में आरजेडी ने अपना उम्मीदवार उतार दिया था। अब पप्पू यादव के साथ भी कुछ वैसा ही हुआ है।

# मेरे पास इतना पैसा नहीं की चुनाव लड़ सकूं... इसलिए मना किया : सीतारमण

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लोकसभा चुनाव में लड़ने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को टिकट नहीं मिला है। इतना ही नहीं खुद निर्मला ने भी साफ कर दिया है कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में नहीं लड़ेंगी।

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा है कि उन्हें तमिलनाडु या आंध्र प्रदेश से चुनाव लड़ने का विकल्प दिया गया था। उन्होंने बताया कि पार्टी ने मुझसे पूछा था लेकिन कई हफ्तों के विचार के बाद मैंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया। उन्होंने बताया कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मुझसे पूछा था कि वे दक्षिण में आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु से चुनाव लड़ सकती है। मगर उन्होंने खुद ही इसके लिए मना कर दिया। उन्होंने कहा कि मेरे पास चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं है, इसकारण मैंने चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया।

उन्होंने कहा कि पार्टी ने भी मेरी परेशानी समझी, जिसके मैं पार्टी की आभारी हूं। उन्होंने बताया की उनके पास अधिक धन नहीं है, क्योंकि मेरा वेतन, मेरी कमाई और मेरी बचत मेरी है, भारत की संचित निधि नहीं। उन्होंने बताया कि मैंने भाजपा के प्रस्ताव को यह कहकर अस्वीकार कर दिया कि उनके पास लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए जरूरी ‘‘उस तरह का धन नहीं हैं। मुझे यह भी समस्या है कि आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु। जीतने लायक विभिन्न मानदंडों का भी सवाल है... आप इस समुदाय से हैं या आप उस धर्म से हैं? मैंने नहीं कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा करने में सक्षम हूं।’’

देश में 19 अप्रैल से लोकसभा चुनाव होने वाले है, यह देखकर निर्मला सीतारमण उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार करेंगी। बता दें कि पार्टी ने कई राज्यसभा सदस्यों को मैदान में उतारा है, जिसमें पीयूष गोयल, भूपेन्द्र यादव, राजीव चन्द्रशेखर, मनसुख मांडविया और ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम शामिल हैं। निर्मला सीतारमण कर्नाटक से राज्यसभा की सदस्य हैं।

# सोनम वांगचुक का ऐलान, चीन से लगाती सीमा पर सात अप्रैल को होगा मार्च

श्रीनगर । लेह एपेक्स बॉडी और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा सात अप्रैल को चीन की सीमा पर मार्च की घोषणा के बाद गुरुवार को लद्दाख में आंदोलन तेज हो गया। वांगचुक ने पर्यावरण और क्षेत्र के लोगों के हितों की रक्षा के लिए सीमा पर मार्च करने के फैसले को विरोध का गांधीवादी तरीका बताया है। गौरतलब है कि लेह एपेक्स बॉडी लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए क्षेत्र को संविधान की 6वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए आंदोलनरत है। लेह एपेक्स बॉडी की ओर से कहा गया कि इसके बाद महिलाओं, युवाओं, धार्मिक नेताओं और बुजुर्गों द्वारा भूख हड़ताल की एक श्रृंखला शुरू की जाएगी। सात अप्रैल का विरोध मार्च चांगथांग तक ले जाने का प्रस्ताव है, जिसकी सीमा चीन से लगती है। नेताओं ने कहा, यह गांधी जी की दांडी यात्रा की तरह होगा। वांगचुक ने आरोप लगाया है कि पश्मीना ऊन के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध चांगथांग चरागाहों को अपने जानवरों को बेचने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उद्योगपतियों ने अपने संयंत्र स्थापित करने के लिए 20 हजार एकड़ से अधिक चरागाह भूमि ले ली है।

# भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी का लंदन वाला फ्लेट होगा नीलाम

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को एक बार फिर झटका लगा है। लंदन हाईकोर्ट ने उनके लग्जरी फ्लैट को बेचने की मंजूरी दी है। फिलहाल ये फ्लैट नीरव के फैमिली ट्रस्ट की कस्टडी में है। फ्लैट की बिक्री से 52.5 लाख पाउंड यानी लगभग 55 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। यह फ्लैट सेंट्रल लंदन के मैरीलबोन इलाके में है। फ्लैट पर फिलहाल ट्राइडेंट ट्रस्ट कंपनी (सिंगापुर) की दावेदारी भी है। यह कंपनी फ्लैट की बिक्री में मुख्य दावेदार है। इसके बाद ईडी ने अदालत में याचिका दायर कर नीरव मोदी के फ्लैट को बेचने का अनुरोध किया था।

इस मामले में ईडी की ओर से पेश बैरिस्टर हरीश साल्वे ने कोर्ट को बताया कि वह लाभार्थी (भारत सरकार) के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फ्लैट की बिक्री के लिए सहमत हुए हैं। ईडी का कहना है कि इस फ्लैट की बिक्री से मिलने वाली राशि से पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के कर्ज को अदा किया जाएगा।जज ब्राइटवेल ने कहा कि ये कोई सामान्य मामला नहीं है। मुझे लगता है कि इस प्रॉपर्टी को 52.5 लाख पाउंड तक में बेचने की मंजूरी देने का फैसला सही है। दिसंबर 2017 में नीरव मोदी ने ये फ्लैट एक ट्रस्ट के नाम कर दिया था। ये ट्रस्ट नीरव मोदी की बहन पूर्वी मोदी और उनके परिवार का है।4079 वर्गमीटर में फैला ये अपार्टमेंट बेकर स्ट्रीट स्टेशन के पास ही है। कानूनी तौर पर इस फ्लैट पर मालिकाना हक नीरव मोदी की बहन पूर्वी मोदी का है। लेकिन ईडी ने कोर्ट को बताया कि इसके बावजूद इसका असल लाभार्थी नीरव मोदी ही है। बता दें कि इस दौरान अदालती सुनवाई में नीरव मोदी थेमसाइड जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए थे।

# बदरुद्दीन अजमल का दावा, माहौल बीजेपी के खिलाफ, धर्मनिरपेक्ष पार्टियों के साथ ही रहेंगे

**दिसपुर (एजेंसी)।** ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने गुरुवार को स्पष्ट कर दिया कि लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में सत्ता में लौटने पर उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन से हाथ नहीं मिलाएगी। हालांकि, एआईडीयूएफ नेता ने कहा कि वे उन सभी तीन सीटों पर जीत हासिल करेंगे, जिन पर वे चुनाव लड़ रहे हैं। सीटों के बंटवारे को लेकर इंडिया ब्लॉक में मचे घमासान से निराश बदरुद्दीन ने कहा कि अगर पार्टियां बरकरार रहतीं तो कुछ उम्मीद की जा सकती थी, लेकिन ये सभी लड़कर एकतरफा तौर पर बीजेपी को फायदा पहुंचा रहे हैं। बदरुद्दीन ने कहा कि एआईयूडीएफ तीनों सीटें जीतेगी। हम बीजेपी-एनडीए के साथ सरकार नहीं बना सकते। इसलिए हम धर्मनिरपेक्ष पार्टियों के साथ ही रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर इंडिया गुट एक साथ होता तो कुछ उम्मीद हो सकती थी लेकिन ये सभी अलग-अलग लड़ रहे हैं। आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस दो बड़ी पार्टियां हैं जो बिल्कुल अलग-अलग लड़ रही हैं। इससे बीजेपी को फायदा होगा। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि उत्तर प्रदेश और बिहार में भाजपा को भारी नुकसान होगा। एआईयूडीएफ नेता ने कहा कि मैं और कुछ नहीं कहना चाहूँगा; वे हमारे पीछे ईडी और सीबीआई लगा देंगे, लेकिन माहौल बीजेपी के खिलाफ जा रहा है। लोगों को 15 लाख रुपये की उम्मीद थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दो करोड़ नौकरियां नहीं मिलीं। युवा बेरोजगार हैं। उन्होंने कहा कि जिस युवा ने भाजपा को सत्ता में पहुंचाया वही युवा आज उनसे नाराज है। हमें जमीन की जानकारी है। उत्तर प्रदेश और बिहार में बीजेपी को भारी नुकसान होगा। उन्होंने दावा किया कि वे संविधान बदलने की सोच रहे हैं जिसके लिए उन्हें 400 से अधिक सीटें चाहिए, उनका सपना कभी पूरा नहीं होगा। असम में कुल 14 संसदीय क्षेत्र हैं। असम की 14 लोकसभा सीटों के लिए तीन चरणों में 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और 7 मई को चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि चीजें बीजेपी के पक्ष में नहीं जा रही हैं... यह बहुत मुश्किल है (बीजेपी को 370 हासिल करना) क्योंकि उन्होंने इस बार कुछ नहीं किया है।% हम भी बिजनेस करते हैं और हमें डर है कि अगर हम कुछ बोलेंगे तो वो हमारे पीछे ईडी और सीबीआई लगा देंगे... दूसरी बड़ी बात ये है कि वो संविधान बदल देंगे, लेकिन इसके लिए उन्हें 400 प्लस की जरूरत है जो कि बनी हुई है. उनके लिए सपना जो पूरा नहीं होगा. अगर भारत गठबंधन के भीतर पार्टियां एक साथ लड़ने के लिए सहमत होतीं, तो चीजें अलग होतीं, लेकिन अब इससे बीजेपी को फायदा होगा।

# राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों के चुनावी प्रचार पर निगरानी रख रहे आईटी एक्सपर्ट

### -आचार संहिता उल्लंघन पर निगरानी रखने बनाए जिलों और स्टेट लेवल पर कंट्रोल रूम

**नयी दिल्ली (एजेंसी)।** देश की हर राजनीतिक पार्टी और उम्मीदवार अपने-अपने लेवल पर टीवी, अखबार और सोशल मीडिया के माध्यम से धुआंधार चुनाव प्रचार करते हैं। सोशल मीडिया के इसी माध्यम से राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले प्रचार और खर्चों की निगरानी करना भी चुनाव आयोग के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इससे निपटने के लिए आयोग ने इस बार बड़े सख्त कदम उठा रहा है। एक समय था जब चुनावों के दौरान झंडे, पोस्टर, बिल्ले के साथ-साथ सड़कों से लेकर गली-मोहल्लों में कार, रिक्शा और ऑटो समेत अन्य गाड़ियों में लाउडस्पीकर लगाकर विभिन्न राजनीतिक पार्टियां और उम्मीदवार अपने-अपने चुनावी चिह्न लगे झंडों के साथ प्रचार करते थे। डिजिटल युग में तेजी से बदलते समय में जहां इन तरीके से किए जाने वाले चुनाव प्रचार को थोड़ा कम किया है, वहीं इसकी जगह सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म तेजी से लेता जा रहा है। चुनाव आयोग ने आचार संहिता उल्लंघन पर निगरानी रखने के लिए जिलों और स्टेट लेवल पर कंट्रोल रूम बनाए हैं। इनमें ना केवल सोशल मीडिया प्लैटफार्म बल्कि वेब कास्टिंग, टीवी, सी-विजिल के अलावा पीजी सेल पर निगरानी करने के अलावा यहां मिलने वाली शिकायतों के निराकरण के लिए भी काम किया जा रहा है। इस बारे में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने भी कहा था कि हर जिले और राज्य स्तर पर बनाए गए कंट्रोल रूम के माध्यम से सोशल मीडिया समेत अन्य तमाम चुनाव प्रचार करने और आचार संहिता उल्लंघन पर निगरानी रखी जाएगी। आयोग का कहना है कि इन कंट्रोल रूम में बैठी आयोग की आईटी एक्सपर्ट टीम राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों द्वारा सोशल मीडिया पर किए जाने वाले चुनावी प्रचार की निगरानी कर रही है। राजनीतिक पार्टियां ज्यादातर सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें उसी राज्य या क्षेत्र की भाषा में प्रचार की सामग्री तैयार करवाई जाती है। इसके लिए इंस्टाग्राम, यू ट्यूब, एक्स, फेसबुक, एमएमएस, वट्सऐप, विशेष प्रचार के लिए बनाए जाने वाले ऐप, टीवी, पहले से रिकॉर्ड संदेश, एआई के जरिए भी प्रचार, स्नैपचैट, ई-मेल, वेबसाइट, टीवी पर आने वाली फिल्म, सीरियल समेत न्यूज या अन्य किसी कार्यक्रम के बीच में दिए जाने वाले चुनावी विज्ञापन के अलावा सोशल मीडिया के वह तमाम माध्यम से चुनावी प्रचार किया जाता है। अगर कोई राजनीतिक पार्टी और उम्मीदवार सोशल मीडिया के किसी भी माध्यम से चुनाव प्रचार करता है, तो उसे ऐसा करने से पहले अपने इलाके के संबंधित चुनाव अधिकारी से इसे दिखाकर इसकी इजाजत लेनी होती है। चुनाव अधिकारी के संतुष्ट होने के बाद ही राजनीतिक दल या उम्मीदवार सोशल मीडिया पर किसी भी तरह का चुनाव प्रचार कर सकते हैं। अगर राजनीतिक पार्टी ऐसा नहीं करती हैं तो उनके खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में कार्रवाई की जा सकती है। सोशल मीडिया पर प्रचार करने के लिए जो भी राजनीतिक पार्टी या उम्मीदवार किसी टीम या स्टाफ को हायर करता है तो इसकी जानकारी और खर्चे का ब्यौरा समेत रील बनाने या अन्य प्रचार पर किए जाने वाले खर्चे की जानकारी भी चुनाव अधिकारी को बतानी होती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

# नगर पालिका के १४२ सुरक्षा गार्ड दोहरी ड्यूटी करते पकड़े गए

## नियम तोड़ने पर एजेंसी पर ५.७८ लाख रुपए का जुर्माना

**क्रांति समय**
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगर पालिका के सभी जोन कार्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है. इस सिक्योरिटी गार्ड की शिकायत की गई थी. मामले में जांच के आदेश दिये गये. जिसके तहत जांच के दौरान १४२ सुरक्षा गार्ड दोहरी ड्यूटी करते पकड़े गये. पकड़े गए सभी सुरक्षा गार्ड अन्यत्र ड्यूटी पर पाए गए। इसलिए नगर पालिका की ओर से कार्रवाई की गई।

टेंडर में नियम है कि सुरक्षा गार्ड ८ घंटे से ज्यादा काम नहीं करेंगे. हालांकि नगर पालिका ने पकड़ी गई सभी सुरक्षा गार्ड एजेंसियों के खिलाफ ५.७८ लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. यह जुर्माना लगाकर यह बात सामने आ रही है कि नगर पालिका ने एक मिसाल कायम करने की कोशिश की है कि सभी कार्य नियमों और टेंडर के मुताबिक ही किए जाएं।

मेयर दक्षेश मवानी ने बताया कि ढाई माह पहले नगर निगम की संपत्तियों और जोन कार्यालय की शिकायत की जांच कराई गई थी। जिसमें करीब १० एजेंसी कर्मी डबल ड्यूटी कर रहे थे. इसलिए भविष्य में जुर्माना लगाया गया है. लेकिन सख्त कार्रवाई की जाती है. कई एजेंसियों से अधिक घंटे काम लिया गया, कभी-कभी उनसे दोगुनी ड्यूटी ली गई।

# डंपर चालक एक्सीडेंट करने वाले ड्राइवर के बचाव में आई यूनियन

## गाड़ियां रोककर किया प्रदर्शन

**क्रांति समय**
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कतारगाम इलाके में डंपर की चपेट में आने से कल एक महिला की मौत हो गई। तो वहीं हादसे के बाद लोगों ने डंपर चालक की जमकर पिटाई की और उसे पुलिस के हवाले कर दिया. इसलिए ९ संयुक्त नगर पालिकाओं द्वारा दुर्घटना का कारण बने डंपर के चालक के बचाव में कार्यक्रम की घोषणा की गई। जिसमें कर्मचारियों ने वाहन रोककर विरोध प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की घोषणा सूरत नगर पालिका में कार्यरत ९ संयुक्त संघों द्वारा गायत्री डिपो वस्तादेवडी कतारगाम जोन में की गई है। जिसके अनुसार गायत्री वाहन डिपो से स्वास्थ्य लेखा, लोक सेवा विभाग एवं जल निकासी विभाग का कोई भी वाहन डिपो से बाहर नहीं निकाला गया है। साथ ही विरोध जताया है.

यूनियन की ओर से मोहम्मद इकबाल शेख ने कहा कि किरण हॉस्पिटल के पास हुए हादसे में नगर पालिका के ड्राइवर की जमकर पिटाई की गयी. सूरत नगर निगम के जिम्मेदारों पर कार्रवाई करने और कर्मचारियों की सुरक्षा की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया है.

# ४०० रुपए के झगड़े को लेकर हुई मार-पिटाई में मिली मौत

## गाँव के रहने वाले उड़िया युवक को पीटा

**क्रांति समय**
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के नानपुरा के मक्काईपुल के पास एक थिएटर से अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने की घटना में अठवालाइन्स पुलिस ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर हत्या का मामला दर्ज किया है। ४०० ने मृतक के हमवतनी से मारपीट करने वाले एक उड़िया युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

१२ मार्च को, अठवालाइन्स पुलिस को नानपुरा में मक्काईपुल सर्कल के पास चौधरी ची मेहता थिएटर के फुटपाथ पर एक अज्ञात युवक मृत मिला, जिसकी नाक से खून बह रहा था। पुलिस ने करीब ४० वर्षीय अज्ञात युवक का शव कब्जे में लेकर न्यू सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर ने रिपोर्ट दी कि मौत सिर में चोट लगने से हुई है. इसलिए पुलिस ने च. ची मेहता थिएटर के आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की.

सीसीटीवी फुटेज में ११ मार्च की शाम ६.३६ बजे मृतक युवक फुटपाथ पर बैठा था और ६.४८ बजे एक युवक उसके साथ मारपीट करता और लात मारता नजर आया, जिससे उसके एक पैर में मोच आ गई. इसलिए जब पुलिस ने स्थानीय फुटपाथ पर रहने वाले लोगों से पूछताछ की, तो पता चला कि मृतक ओडिशा का रहने वाला था और भूरियो, जबकि रामकिशोर प्रधान, जो सीसीटीवी में उसे पीटते हुए पकड़ा गया था, वह भी ओडिशा का रहने वाला था। तो पुलिस ने रामकिशोर को हिरासत में लिया और पूछताछ की तो उसने बताया कि मृतक उसका दोस्त था और दोनों के बीच रुपये का लेन-देन था।

४०० लेने की बात पर हुए झगड़े के दौरान पिटाई की बात कबूल की है।

Mon 06:48:35 PM

# पड़ोस में रहने वाले दो बच्चों के पिता ने बलात्कार किया

**क्रांति समय**
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में रेप के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं. उस वक्त चौकबाजा २ इलाके में रहने वाली एक शादीशुदा महिला के साथ उसके पड़ोस में रहने वाले दो बच्चों के पिता ने रेप किया. परिणीता ने अठवालाइन्स पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने ३८ वर्षीय पड़ोसी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया.

३१ वर्षीय शादीशुदा ४ बच्चों की मां। उनके पति दर्जी का काम करते हैं. आरोपी उसके पड़ोस में रहता है। घोड़ागाड़ी चलाता है. आरोपी कई समय से पत्नी को परेशान कर रहा था। आखिरकार बोर होकर विवाहिता ने अपने पति से बात की। इसलिए मामला पुलिस तक पहुंच गया. पुलिस ने दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि महिला ने अठवा पुलिस में ३ साल मरजी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. इसलिए हनीफ कुरेशी (उम्र ३८) को गिरफ्तार कर लिया गया है. हनीफ और महिला का पति दोनों दोस्त थे। जब महिला का पति बाहर जाता था तो हनीफ घर में घुस जाता था और दुष्कर्म करता था। लेकिन हद हो जाने पर महिला ने इसकी जानकारी अपने पति को दी. इसलिए पुलिस में शिकायत के बाद दुष्कर्म की शिकायत दर्ज की गई। इसलिए पुलिस ने डीएनए समेत सबूत जुटाए हैं और आगे की जांच की है. आरोपी ने महिला को उसके बच्चों और पति को जान से मारने की धमकी भी दी।

# ३ साल का लापता बच्चा परिवार से मिला सीसीटीवी के आधार पर जाँच कर परिवार को सौंपा

**क्रांति समय**
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के रांदेर इलाके में एक मजदूर परिवार का ३ साल का लापता बच्चा पुलिस को समय रहते मिल गया. इसके बाद जब बच्चे को मजदूर परिवार को सौंपा गया तो थाने में भावुक दृश्य उत्पन्न हो गया. फिर एक साथ ३ बेटियां, एक मूक बधिर बच्चा और एक बेटा पैदा होने के बाद परिवार में खुशी का माहौल बन गया.

मध्य प्रदेश के एक मजदूर वर्ग के परिवार में पांच बच्चों में से ३ सबसे बड़ी बेटियां थीं और फिर चौथी संतान में एक मूक-बधिर बेटे का जन्म हुआ। हालाँकि, तब पैदा हुआ बेटा सोलह साल का था। जो ३ साल का था. हालांकि, रांदेर इलाके में मेल्डीमाता के मदिर के पास सुबह दस बजे सब्जी बेचने वाले अंदर ही अंदर झगड़ रहे थे। जहां लोग जमा हो गए, बेटा डर गया और भीड़ में चल दिया। जब परिवार को इस बात की जानकारी हुई तो उन्होंने थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई.

बच्चे के गायब होने की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत टीमें गठित की और सीसीटीवी की जांच की. जिसमें बच्चा चलता हुआ नजर आ रहा था. जांच के अंत में सीसीटीवी में बच्चा किस दिशा में जाता नजर आया। वहां जांच करने पर शाम चार बजे तक करीब एक किलोमीटर दूर से बच्चा मिल गया। इसके बाद जब उन्हें परिवार से मिलाया गया तो थाने में भावुक दृश्य निर्मित हो गया. माता-पिता की आंखों से हरख के आंसू छलक पड़े।

Get Instant Health Insurance
Call 9879141480
Financial coverage for medical expenses, in case of a medical emergency.
Health Insurance

પ્રાઇવેટ બેંક માંથી ➡ સરકારી બેંક માં
Mo-9118221822
હોમલોન 6.85% ના વ્યાજ દરે
લોન ટ્રાન્સફર + નવી ટોપઅપ વધારે લોન
તમારી કોઈપણ પ્રાઈવેટ બેંક તથા ફાઈનાન્સ કંપની ઉંચ્ચા વ્યાજ દરમાં ચાલતી હોમલોન ને નીચા વ્યાજ દરમાંસરકારી બેંક માં ટ્રાન્સફર કરો તથા નવી વધારે ટોપઅપ લોન મેળવો.

9118221822
હોમ લોન
મોર્ગેજ લોન
કોમર્સીયલ લોન
પ્રોજેક્ટ લોન
પર્સનલ લોન
ઓ.ડી
સી.સી.